हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 45 : जौनपुर, बुधवार 08 नवम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

कांग्रेस अकबर को महान मानती है, भाजपा महाराणा प्रताप को : योगी

एजेन्सी

शाजापुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को मध्य प्रदेश के चुनावी दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राम व श्रीकृष्ण के अस्तित्व को नकार दिया था। उनके लिए भारत का इतिहास पं. जवाहर लाल नेहरू से प्रारंभ होता है। कांग्रेस ने पग–पग पर हमारे इतिहास को कलंकित, अपमानित करने का कार्य किया। कांग्रेस के समय में इतिहास में पढ़ाया जाता था कि अकबर महान, यह महाराणा प्रताप को महान नहीं मानते थे। भाजपा महाराणा प्रताप व छत्रपति शिवाजी को महान मानती है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश भारत के दो महत्वपूर्ण राज्य हैं। यह दोनों साझी विरासत, संस्कृति व परंपरा के साथ ऐसे जुड़े हैं, जैसे एक आत्मा और दो

शरीर के रूप में कार्य कर रहे हों। सीएम योगी ने कहा कि आपने व पूर्वजों ने राममंदिर के लिए संघर्ष, साधना व मनोकामना की थी। हम सौभाग्यशाली हैं कि आंखों से उस कार्य को मूर्त रूप होते देख रहे हैं। 22 जनवरी को पीएम मोदी के हाथों से रामलला अपने मंदिर में विराजमान होंगे। कांग्रेस की नियति है समस्या, यह समाधान नहीं चाहती। कांग्रेस ने कह दिया था कि कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए, लेकिन राम भक्तों ने कहा कि गुलामी के ढांचे को हटा देंगे, न रहेगा बांस–न रहेगी बांसुरी। चुनावी समर में एक तरफ रामभक्त हैं तो दूसरी तरफ राम विरोधी। एक तरफ शिक्षा का अलख जगाने वाले राष्ट्रभक्त हैं तो दूसरी तरफ शराब परोसकर युवाओं को बर्बादी की कगार पर ढकेलने वाले शराब माफिया। चुनाव लड़ने वाले माफिया युवाओं की पीढ़ी को बर्बाद करेंगे। हमें शराब माफिया, अपराधी नहीं चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि इंद्र सिंह परमार ने शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार किया, क्योंकि शिक्षा है तो संस्कार है और संस्कार है तो समृद्धि अपने आप आएगी। कांग्रेस को भारत व भारतीयता से कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस कहती थी कि देश के संसाधनों पर केवल मुसलमानों का अधिकार है। इस देश का हिंदू कहां जाएगा। उसके साथ कांग्रेस जैसा भेदभाव करती थी, इसके लिए देश व युवा पीढ़ी को कभी उन्हें माफ नहीं करना चाहिए। राजनीति जिनके लिए पेशा हो जाए, जो राजनीति को बपौती बना लें, राजनीति के नाम पर छल–छद्म व धोखा देने का कुत्सित प्रयास करें, उनकी राजनीतिक दुकानें सदा के लिए बंद हो जानी चाहिए।

योगी ने कहा कि यहां कांग्रेस प्रत्याशी को लव जिहाद से फुर्सत नहीं थी।

वे हिंदू बालिकाओं की बजाय शोहदों के साथ खड़े हो जाते थे। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, राम मंदिर के निर्माण में इन्हें सांप्रदायिकता नजर आती है, लेकिन जेहादी मानसिकता का जहर उगलने वाले लव जिहादियों में सद्भावना नजर आती है। राम मंदिर इनके लिए सांप्रदायिकता व हमारे लिए राष्ट्रीयता का प्रतीक है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने देश के बारे में सोचने की बजाय सिर्फ परिवार के बारे में सोचा। कांग्रेस की त्रासदी बन चुकी है कि वह परिवार से मुक्त नहीं हो सकती। कांग्रेस आएगी तो समस्या लाएगी।

पूर्णमासी के चंद्रमा की पूजा करते हैं तो अमावस्या को भी याद रखना पड़ता है : नड्डा

एजेन्सी

खरगोन। भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राज्य के पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन को अमावस्या के दिनों की उपमा देते हुए आज कहा कि अगर पूर्णमासी की पूजा करते हैं तो अमावस्या को भी याद रखना पड़ता है। मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के बड़वाह में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि नौजवानों को कांग्रेस शासन के बारे में जानना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हम पूर्णमासी के चांद की पूजा करते हैं, तो अमावस्या को भी याद रखना पड़ता है। उन्होंने कहा कि उजाले की पूजा करने के साथ–साथ अंधकार की त्रासदी को भी याद रखना पड़ता है। उन्होंने कहा कि 20 वर्ष पहले मध्यप्रदेश बीमारु राज्य था। इसके समेत उत्तरप्रदेश, राजस्थान और बिहार के सूचकांक भी ठीक नहीं थे, लेकिन बीते दो दशक में भारतीय जनता पार्टी ने इसे अग्रणी राज्यों में शुमार कर दिया है। उन्होंने कहा कि जहां–जहां कांग्रेस रहेगी, वहां भ्रष्टाचार, लूट, वंशवाद, परिवारवाद, अत्याचार, व्याभिचार व अनाचार रहेगा। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के शासन में चहुँमुखी विकास के अलावा युवाओं किसानों और महिलाओं को ताकत मिलती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 2013 के पहले पानी, हवा, पाताल, जमीन सभी लोकों में घोटाला किया। उन्होंने कहा कि कोयला, अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर, पनडुब्बी, कॉमनवेल्थ, मनरेगा घोटाला लोग भूले नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि वह छोटा–मोटा घोटाला नहीं करती। मध्यप्रदेश में कर्ज माफी के नाम पर 11 लाख 97 हजार किसानों को डिफाल्टर करना, 4100 करोड़ रुपए का इरिगेशन काम्प्लेक्स घोटाला, 877 करोड़ का सिंचाई घोटाला, 281 करोड़ का वेयरहाउस खरीदी घोटाला, रेत व छात्रवृत्ति घोटाला सभी के सामने है।

मिजोरम विधानसभा चुनाव 32.68 प्रतिशत मतदान

एजेन्सी

आइजोल। मिजोरम विधानसभा चुनाव में कड़ी सुरक्षा के बीच सभी 40 निर्वाचन क्षेत्रों में मंगलवार सुबह 9 बजे तक लगभग 32.68 प्रतिशत मतदान हुआ।

चुनाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक अभी तक किसी अप्रिय घटना की कोई खबर नहीं है। "एक चुनाव अधिकारी ने कहा,"शुरुआत में कुछ मतदान केंद्रों पर ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें) ठीक से काम नहीं कर रही थीं, इससे मतदान में कुछ देरी हुई। अधिकारियों ने शीघ्रता से ईवीएम को बदल दिया और मतदान फिर से शुरू हो गया।

मुख्यमंत्री जोरमथांगा भी अपने पहले प्रयास में आइजोल उत्तर– 2 निर्वाचन क्षेत्र के रामहलुन वेंगलाई प्राइमरी स्कूल मतदान केंद्र में ईवीएम में खराबी के कारण अपना वोट नहीं डाल सके और घर लौट आए। हालांकि, मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के अध्यक्ष जोरमथांगा ने बाद में अपना वोट डाला और मीडिया से कहा कि उन्हें विश्वास है कि एमएनएफ पहाड़ी राज्य में लगातार दूसरी बार सरकार बनाएगी। 79 वर्षीय उग्रवादी नेता से राजनेता बने नेता रिकॉर्ड सातवीं बार आइजोल ईस्ट–1 सीट से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं।

मिजोरम के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने भी आइजोल दक्षिण–1 निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत वेंघलुई सरकारी प्राथमिक विद्यालय मतदान केंद्र में अपना वोट डाला।

बीजेपी ने की तेलंगाना चुनाव के लिए उम्मीदवारों की चौथी सूची की घोषणा

एजेन्सी

हैदराबाद। भाजपा ने 30 नवंबर को होने वाले तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपने उम्मीदवारों की चौथी सूची की घोषणा की। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने 12 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की। लेकिन राज्य भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, सांसद के. लक्ष्मण, अभिनेता से नेता बने विजयशांति के नाम गायब हैं। इसके साथ ही पार्टी अब तक 119 विधानसभा सीटों में से 100 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है. बताया जाता है कि भाजपा अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण के नेतृत्व वाली अपनी सहयोगी जन सेना पार्टी (जेएसपी) के लिए एक दर्जन सीटें छोड़ने पर सहमत हो गई है। एक–दो दिन में दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे के समझौते की घोषणा होने की संभावना है। भाजपा ने कोडंगल से बंटू रमेश कुमार को मैदान में उतारा है, जहां से तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी चुनाव लड़ रहे हैं।

राज्य की सत्तारूढ़ बीआरएस ने मौजूदा विधायक पी. नरेंद्र रेड्डी को मैदान में उतारा है। इस बीच, तुला उमा, जिन्होंने 2021 में भाजपा में शामिल होने के लिए टीआरएस (अब बीआरएस) छोड़ दी थी, को वेमुलावाड़ा से मैदान में उतारा गया है, जहां सीट के लिए कई दावेदार थे। मुनुगोडे में, जहां भाजपा पिछले साल नवंबर में हुए उपचुनाव हार गई थी, चालमल्ला कृष्ण रेड्डी पार्टी के उम्मीदवार होंगे। भगवा पार्टी को हाल ही में कोमाटिरेड्डी राज गोपाल रेड्डी के इस्तीफे से इस निर्वाचन क्षेत्र में बड़ा झटका लगा, जो कांग्रेस में लौट आए।

राज गोपाल रेड्डी ने पिछले साल अगस्त में कांग्रेस छोड़ दी थी और भाजपा में शामिल होने के लिए विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था। उपचुनाव में वह बीआरएस के के. प्रभाकर रेड्डी से 10,309 वोटों से हार गए। राज गोपाल रेड्डी अब कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे, जबकि बीआरएस ने प्रभाकर रेड्डी को बरकरार रखा है। भाजपा ने 22 अक्टूबर को 52 उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा की थी, जबकि दूसरी सूची में सिर्फ एक नाम था। 35 उम्मीदवारों की तीसरी सूची 2 नवंबर को घोषित की गई थी।

बिहार जातिगत सर्वे के आर्थिक आंकड़े जारी

एजेन्सी

पटना। बिहार सरकार ने मंगलवार को विधानमंडल के दोनों सदनों में जाति आधारित गणना की पूरी रिपोर्ट पेश कर दी, जिसमें सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़े भी शामिल हैं।

संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने जाति आधारित गणना की पूरी रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा। रिपोर्ट के अनुसार, बिहार की एक तिहाई से ज्यादा आबादी गरीब है। करीब 34.13 प्रतिशत परिवारों की मासिक आमदनी मात्र छह हजार रुपए और छह हजार से 10 हजार रुपए प्रति महीना वाले परिवारों की संख्या 29.61 प्रतिशत बताई गई है । यानी राज्य में 10 हजार रुपए प्रति महीना तक की आदमनी वाले परिवारों की संख्या 63 फीसदी से ज्यादा है।इसी तरह 10 हजार से ज्यादा लेकिन 20 हजार प्रति माह से कम आमदनी वाले परिवारों की संख्या 18.06 प्रतिशत है। 20 हजार से 50 हजार मासिक आमदनी वाले परिवार 9.83 प्रतिशत हैं । वहीं, पचास हजार से ज्यादा कमाने वाले परिवारों का प्रतिशत मात्र 3.90 है। सर्वे के मुताबिक राज्य के 4.47 प्रतिशत परिवारों ने अपनी आय की जानकारी नहीं दी। रिपोर्ट के अनुसार, बिहार में सबसे ज्यादा गरीबी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में है । अनुसूचित जातियों में 42.93 प्रतिशत और अनुसूचित जनजातियों में 42.70 प्रतिशत परिवार आर्थिक तौर पर कमजोर हैं । इसी तरह अत्यंत पिछड़ा वर्ग के 33.58, पिछड़ा वर्ग के 33.16 और सामान्य वर्ग के 25.09 प्रतिशत परिवार गरीब है।सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, पिछड़ा वर्ग में यादव जाति और सामान्य वर्ग में भूमिहार जाति में सबसे ज्यादा गरीब हैं । यादवों की आबादी में 35.87 प्रतिशत परिवार और भूमिहारों में 27.58 प्रतिशत परिवार गरीब हैं। पिछड़ा वर्ग में यादवों के बाद सबसे ज्यादा गरीबी कुशवाहा(कोईरी) परिवारों में है, यह संख्या 34.32 प्रतिशत है। वहीं, सामान्य वर्ग में भूमिहार के बाद ब्राह्मणों में 25.32 प्रतिशत परिवार गरीब हैं । इसी प्रकार राजपूत में 24.89 प्रतिशत परिवार गरीब हैं। बिहार मेंसामान्य वर्ग में सबसे धनी कायस्थ जाति है, जिसमें मात्र 13.83 प्रतिशत परिवार ही गरीब हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अनुसूचित जाति में सबसे ज्यादा मुसहर गरीब हैं । मुसहर में 54 प्रतिशत, भुइया में 53, रविदास (चमार, मोची) में 42, पासवान (दुसाध), धारी, धरही तथा चौपाल में39–39, पासी में 38, धोबी (रजक) में 35 प्रतिशत परिवार गरीब हैं। इसी तरह नाई 38.37, मल्लाह में 34.56, पान, सवासी, पानर 36, धानुक 34.35, नोनिया 35.88, चंद्रवंशी (कहार) 34.08, कुम्हार (प्रजापति) 33.39, कानू 32.99 और बढ़ई जाति के 27.71 प्रतिशत परिवार गरीब हैं।

महुआ मोइत्रा ने एथिक्स पैनल की बैठक के पुनर्निर्धारण पर उठाए सवाल

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कथित रूप से संसदीय प्रश्नों के लिए पैसे के आरोपों का सामना कर रही तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा ने मंगलवार को कांग्रेस सांसद के नामांकन की तारीख के टकराव के लिए बैठक को 9 नवंबर तक स्थगित करने के लिए संसद की आचार समिति पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, भाजपा बहुमत के माध्यम से एक मसौदा रिपोर्ट तैयार करने के लिए उपस्थिति सुनिश्चित करने को अपने सहयोगियों को बुला रही है। एक्स पर एक पोस्ट में, मोइत्रा ने कहा, कोई मसौदा रिपोर्ट सामान्य रूप से प्रसारित नहीं की गई है, लेकिन इसे 9 नवंबर को अपनाया जाएगा। कांग्रेस सांसद के नामांकन की तारीख के साथ टकराव के कारण बैठक स्थगित कर दी गई ताकि वह नहीं आ सकें। भाजपा ने बहुमत के माध्यम से उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सहयोगियों को बुलाया। अडानी और (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी कितने डरे हुए हैं। तृणमूल कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी एथिक्स कमेटी की बैठक के बाद आई है, जो 7 नवंबर को होने वाली थी, जिसे 9 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, पार्टी सांसद उत्तम कुमार रेड्डी बैठक के पुनर्निर्धारण पर अपना असहमति नोट भेजने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो तेलंगाना में उनके नामांकन के साथ टकरा रहा है। मोइत्रा नैतिकता पैनल के विपक्षी सदस्यों के साथ 2 नवंबर को बैठक से बाहर चली गईं और समिति के अध्यक्ष पर उनसे व्यक्तिगत और अनैतिक सवाल पूछने का आरोप लगाया। उन्होंने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भी पत्र लिखकर आरोप लगाया कि उनके खिलाफ कैश–फॉर–क्वेरी आरोपों पर सुनवाई के दौरान आचार समिति के अध्यक्ष द्वारा उन्हें कहावत वस्त्रहरण का शिकार होना पड़ा। आचार समिति भाजपा सांसद दुबे के आरोपों की जांच कर रही है कि मोइत्रा ने व्यवसायी हीरानंदानी के कहने पर व्यवसायी गौतम अडानी पर लोकसभा में सवाल पूछने के लिए नकद और लाभ लिया। 26 अक्टूबर को, दुबे और वकील देहाद्राई ने मोइत्रा के खिलाफ पैनल को मौखिक साक्ष्य दिए।

मोदी ने अंग्रेजी की वकालत करने पर राहुल पर कसा तंज

एजेन्सी

सूरजपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्षेत्रीय भाषाओं और हिन्दी के साथ अंग्रेजी की वकालत करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि देश आजाद हो गया लेकिन इनका अंग्रेजी का भूत नही गया। श्री मोदी ने आज यहां एक चुनावी सभा में कहा कि डाक्टर और इंजीनियर बनने के लिए अब अंग्रेजी की जरूरत नही है। मोदी को लोगो की तकलीफ पता है इसलिए गरीब का बच्चा जिस भाषा में डाक्टर और इंजीनियर बनना चाहता है,उसी भाषा में डाक्टर इंजीनियर बनेगा। उन्होने कहा कि जब डाक्टर मरीज से उसकी भाषा में बात कर उसकी बीमारी को जानता है तो फिर डाक्टर बनने के लिए अंग्रेजी क्यो उसके लिए जरूरी है। उन्होने कहा कि देश में नौ दस

करोड़ आदिवासी है लेकिन लम्बे समय तक राज करने वाली कांग्रेस ने कभी उनके बारे में नही सोचा। कांग्रेस के लिए क्योंकि आदिवासियों का कोई वजूद नही था। श्री मोदी ने कहा कि वह गरीबी में जिए है और गरीबी को किताबों में नही पढ़ा है। कांग्रेस केवल गरीबी हटाओं के नारे के साथ वोट लेती रही है। उन्होने गरीबो की चिन्ता की और फिर गरीब कल्याण योजना के तहत पांच वर्ष के लिए मुफ्त राशन योजना को बढ़ाने का निर्णय लिया। श्री मोदी ने अपनी सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जो भी उन्होने लोगो को गारंटी थी सभी को पूरा किया है,यह मोदी की गारंटी है। उन्होने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभू राम का ननिहाल है इस कारण आपको मोदी को बड़ा आर्शीवाद मिलना चाहिए और चुनाव में भरपूर सीटे भाजपा को मिलनी चाहिए। उन्होने कहा कि एक तरफ इस चुनाव में मोदी का गारंटी वाला घोषणा पत्र है तो दूसरी ओर कांग्रेस का झूठ का।कांग्रेस ने पिछले चुनाव में लम्बे चौडे वादे किए और बाद में सभी वर्ग के साथ विश्वासघात किया।महादेव एप के नाम पर घोटाला किया और युवाओं को सट्टेबाजी को ओर ढ़केला। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि छत्तीसगढ़ सट्टेबाजों का अड्डा कैसे बना। छापों में सुबूत के साथ नोटो का ढ़ेर मिला है। श्री मोदी ने कहा कि घोटाले के सबसे बड़े आरोपी ने टीवी पर आकर मुख्यमंत्री को पांच सौ करोड़ रूपए रिश्वत देने की बात कहीं है,और आप सुबूत मांग रहे है। ऐसे आरोपो से घिरे व्यक्ति को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर एक दिन भी रहने का हक नही है। उन्होने दावा किया इस आरोप के बाद कांग्रेस के दिग्गजों ने भी उनसे किनारा कर लिया है। कोई नही बोल रहा है,उन्होने अपने बच्चों की भलाई के लिए कांग्रेस पार्टी को बदनाम कर दिया। उन्होने कहा कि वह गारंटी देते है कि भाजपा के राज्य में सत्ता में आने पर महादेव घोटाले में दूध का दूध और पानी का पानी कर देंगी और कितना भी बड़ा नाम क्यों न हो,लोगो का जीवन बर्बाद करने वालों ऐसे लोगो को जेल जाकर जिन्दगी गुजारनी पड़ेगी।

उत्तर प्रदेश में फर्जी स्कूलों के खिलाफ फिर चलेगा अभियान

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिना मान्यता प्राप्त चल रहे विद्यालयों पर सरकार सख्त एक्शन लेने जा रही है। इसके लिए पूरे प्रदेश में सघन अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान जो विद्यालय बिना मान्यता प्राप्त या मान्यता रद होने के बाद भी संचालित होते पाए जाएंगे उन पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें दंड के साथ ही एक लाख रुपए तक जुर्माने का प्राविधान है। संयुक्त शिक्षा निदेशक (बेसिक) गणेश कुमार ने इस संबंध में सभी जनपदों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। निर्देश में कहा गया है कि सभी खंड शिक्षा अधिकारी समस्त ब्लॉकों में सघन अभियान चलाएं और यदि कोई विद्यालय बिना मान्यता प्राप्त संचालित हो रहा है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करें।

उत्तराखंड में एमबीबीएस के छात्रों के लिए हिंदी मीडियम में होगी पढ़ाई

एजेन्सी

देहरादून। उत्तराखंड में एमबीबीएस के छात्रों के लिए हिंदी मीडियम में पढ़ाई जल्द ही शुरू हो जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह 10 नवंबर को इसकी शुरूआत करेंगे। प्रदेश के चारों मेडिकल कॉलेज के छात्रों को फिलहाल मध्य प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में चल रहीं एमबीबीएस की किताबें उपलब्ध करवाई जाएंगी। मध्य प्रदेश की तर्ज पर एमबीबीएस में हिंदी पाठ्यक्रम लागू करने के लिए प्रदेश सरकार ने पहले चार सदस्यीय कमेटी और इसके बाद दो सदस्यीय कमेटी गठित की थी। इसमें डॉ. सीएमएस रावत चेयरमैन और दून मेडिकल कॉलेज के ऑन्कोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दौलत सिंह मेंबर सेक्रेटरी थे। सीएमएस रावत, डॉ. दौलत सिंह, डॉ. एके सिंह और डॉ. एचएस पांडेय पहली बार में मध्य प्रदेश गए थे। इस समय वहां पर हिंदी किताबें उपलब्ध नहीं थीं। किताबें आने के बाद एनएचबी चिकित्सा शिक्षा विवि के कुलपति प्रो. हेमचंद्र पांडेय और दून मेडिकल कॉलेज के ऑन्कोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दौलत सिंह मध्य प्रदेश गए थे। हिंदी मीडियम में पढ़ रहे मेडिकल छात्रों और छात्रों को हिंदी मीडियम से पढ़ा रहे शिक्षकों का अनुभव जाना और इनका फीडबैक लेकर इसकी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी। मेडिकल छात्र एक साल तक मध्य प्रदेश के मेडिकल कॉलेज में चल रही हिंदी मीडियम की किताबें ही पढ़ेंगे।

बिहार जातीय गणना का आर्थिक सर्वे विधानसभा में पेश

एजेन्सी

पटना बिहार में हाल में ही हुई जातीय गणना की रिपोर्ट मंगलवार को विधानसभा में पेश की गई। इस दौरान आर्थिक सर्वे भी सदन के पटल पर रखा गया।

सदन में पेश रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में सामान्य जाति में जहां 25.09 प्रतिशत लोग गरीब हैं, वहीं अनुसूचित जाति में 42.93 प्रतिशत लोग गरीब हैं। आंकड़ों के मुताबिक, सामान्य जाति के कुल 43.28 लाख परिवारों में 10.85 लाख परिवार यानी 25.09 प्रतिशत गरीब हैं। इसी तरह पिछड़ा वर्ग में 33.16 प्रतिशत, अति पिछड़ा में 33.58 प्रतिशत, अनुसूचित जाति में सबसे अधिक 42.93 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति में 42.70 प्रतिशत परिवार गरीब हैं। आंकड़ों को सच मानें तो प्रदेश में एक तिहाई आबादी गरीब है। सूबे के 34.13 फीसदी परिवारों की मासिक आय महज 6 हजार रुपये है।

सम्पादकीय

जहरीली होती प्राणवायु

यह जानते हुए भी कि हर साल सर्दी की दस्तक व वातावरण में नमी के चलते दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गैस चौंबर में तब्दील हो जाता है, शासन–प्रशासन हाथ पर हाथ धरे ही बैठा रहता है। यह मान लिया जाता है कि बस एक महीने की दिक्कत है, फिर शोर थम जाएगा। सोमवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक कई जगहों पर 450 से ऊपर दर्ज किया गया, जो खासा घातक श्रेणी का होता है। जिसके चलते ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान–4 यानी ग्रैप की चौथी स्टेज लागू कर दी गई है। जिसके तहत स्कूल बंद करने, गैर जरूरी निर्माण पर रोक, भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित तथा निजी वाहनों के लिये ऑड–ईवन सिस्टम लागू करने की घोषणा की गई। कहा जा रहा है कि दिल्ली की हवा इतनी जहरीली हो गई है कि सांस लेना 25–30 सिगरेट के सेवन के बराबर है। इस प्रदूषण का घातक असर बच्चों व गर्भवती महिलाओं पर अधिक होगा। छोटे बच्चों के दिमाग के विकास पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इतना ही नहीं, लोगों के श्वसन तंत्र को नुकसान पहुंचने के साथ ही हार्ट अटैक व ब्रेन स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है। सोमवार को स्विस ग्रुप आईक्यू एअर द्वारा जारी वायु गुणवत्ता के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली दुनिया में सबसे घातक स्तर तक वायु प्रदूषित राजधानी बन गई। दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित दस शहरों में से सात भारत के हैं। यह हमारे नीति–नियंताओं के लिये शर्म की बात होनी चाहिए कि वे अपने नागरिकों को स्वच्छ हवा भी उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। कमोबेश यह स्थिति सिर्फ दिल्ली की नहीं है, देश के अन्य राज्यों में स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। दुनिया के दस प्रदूषित शहरों में कोलकाता पांचवें व मुंबई छठे स्थान पर है। ये स्थिति हमारे लचर प्रशासन व गैर जिम्मेदार प्रतिनिधियों की हकीकत बताती है। साथ ही यह भी कि एक नागरिक के रूप में हम प्रदूषण कम करने के दायित्वों के प्रति उदासीन बने हुए हैं। वहीं परेशान करने वाली बात यह है कि देशव्यापी प्रदूषण के एक घटक पराली जलाने की घटनाएं बदस्तूर जारी हैं। नासा की रिपोर्ट में उन स्थानों को चिन्हित करने की चर्चा होती है जहां पराली जलायी जा रही है। लेकिन हमारी सरकारें देखकर भी आंखें मूंद लेती हैं। बल्कि पराली जलाने का काम एक जिद के तौर पर किया जा रहा है। पिछले दिनों उस समाचार ने विचलित किया जब पराली जलाने के विरुद्ध किसानों को जागरूक करने गए अधिकारी को ही पराली जलाने के लिये बाध्य किया गया। विडंबना यह है कि चुनावी माहौल में राजनीतिक दल पराली जलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के बजाय एक सुरक्षित दूरी बनाकर चल रहे हैं। उन्हें चिंता है तो सिर्फ अपने वोट बैंक की। जिसके चलते यह स्थिति बन गई है कि सिटी ब्यूटीफुल कहे जाने वाले चंडीगढ़ तक में भी वायु गुणवत्ता सूचकांक में चिंताजनक स्तर तक की वृद्धि हुई है। दरअसल, हमारे नीति–नियंता इस संकट को महज एक माह की दिक्कत मानकर फिर चुप बैठ जाते हैं जबकि इस समस्या के समाधान के लिये वर्षपर्यंत प्रयास करने की जरूरत होती है। हमें पता है कि हमारे शहर जनसंख्या के बोझ से दबे हुए हैं और अंधाधुंध निर्माण से हवा के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा उत्पन्न हुई है। दिल्ली में भी कमोबेश यही स्थिति है कि नमी व हवा के दबाव के साथ फॉग की स्थिति बन जाती है। जो कालांतर भयावह प्रदूषण की वजह बनती है। हमारी कृत्रिम जीवनशैली, वाहनों का मोह और सार्वजनिक यातायात साधनों पर लोगों की निर्भरता कम होने से यह प्रदूषण बढ़ रहा है। एक नागरिक के तौर पर भी हमारा व्यवहार कतई जिम्मेदारी वाला नहीं है। प्रदूषण दूर करने व पर्यावरण संरक्षण में नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। यह जानते हुए कि हमारे सत्ताधीशों की कार्यशैली कैसी होती है, जो सिर्फ अदालतों की फटकार के बाद ही जागते हैं, इस संकट के समाधान के लिये निरंतर तथा सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। यह संकट सिर्फ इस मौसम का ही नहीं, यदि स्थितियां नहीं बदली तो आने वाले दिनों में आम दिनों की बात हो जाएगी।

आज का राशि फल

मेष :– किसी की अस्वस्थता से परिवार में कष्ट का वातावरण रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें। समय का सदुपयोग करें।

बृषभः– नये घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरे के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव्र।

मिथुनः– नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। समस्याओं के समाधान से उत्साह में बृद्धि होगी। नये सम्बन्धों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होने के आसार हैं।

कर्कः– सुख–साधनों की लालसा बढे.गी। महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ति में असमर्थता जैसी पूर्वाग्रह मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

सिंहः– किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिया गया निर्णय से पश्चाताप संभव। सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

कन्याः– मन को सकारात्मक दिशा प्रदान करें। भाग्य से प्राप्त अच्छे–बुरे सभी परिस्थितियों के साथ समझौतावादी बनें। अपने सुख–दुख को छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें।

तुलाः– पुराने गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारने की आवश्यकता है। अच्छे कायरे से परिजनों के दिल में जगह प्राप्त करेंगे। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें।

वृश्चिकः– भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढे.गी। महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ति में असमर्थता जैसी पूर्वाग्रह मन में निराशा पैदा करेगी। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी।

धनुः– मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरे में न व्यतीत करें। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ के आसार। संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है।

मकरः– सब कुछ सामान्यतः ठीक होते हुए भी मन में अरुचिकर लगेगा। रोजगार के क्षेत्र में नये लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। पिता के स्वास्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

कुंभः– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। मस्त–मौला मन मौज मस्ती समय व्यर्थ कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में परिश्रम तीव्र होगा।

मीनः– प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव उन प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयत्न करें।

लोकतन्त्र और लोक कल्याण

आदित्य नारायण

लोकतन्त्र और लोक कल्याण दोनों एक–दूसरे के सम्पूरक होते हैं। ऐसी स्थापना हमारे संविधान निर्माताओं ने की और इसके परिपालन के लिए राजनैतिक दलों को अधिकृत किया। चुनाव लोकतान्त्रिक प्रणाली के आधार होते हैं अतः राजनैतिक दलों ने चुनावों के अवसर पर लोक कल्याणकारी नीतियां जनता के सामने रखने का प्रचलन शुरू किया जिसे घोषणापत्र कहा गया। हर चुनाव की अलग परिस्थितियां होती हैं अतः घोषणापत्र भी हर बार नये प्रस्तुत किये जाते हैं। भारत जब आजाद हुआ था तो इसकी 90 प्रतिशत से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर करती थी। इसमें भी शहरी आबादी 20 प्रतिशत के आसपास थी। मगर आज 75 साल बाद तस्वीर बदल चुकी है। भारत के शहरीकरण में तेजी से वृद्धि हुई है और कृषि क्षेत्र पर लोगों की निर्भरता में भी कमी आयी है। इसका मतलब यह है कि हमने तरक्की की है। अब 2023 चल रहा है और भारत की आबादी बढ़ कर 140 करोड़ हो चुकी है जबकि आजादी के समय 1947 में यह 33 करोड़ के करीब थी। बढ़ती आबादी की बढ़ती मूलभूत आवश्यकताओं की आपूर्ति करना किसी भी लोकतन्त्र में चुनी गई सरकारों का मूल दायित्व होता है। ये चुनी हुई सरकारें जनता की मालिक नहीं होती बल्कि उसकी नौकर होती हैं क्योंकि जनता इन्हें केवल पांच साल के लिए ही देश की व्यवस्था चलाने की जिम्मेदारी सौंपती है।

इस दौरान चुनी हुई सरकारें अपनी लोक कल्याणकारी नीतियों को चला कर जनता के प्रति मिले दायित्व को पूरा करने का प्रयास करती है। अतः आज भारत के जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं उनमें पिछले चुनावों के बाद सत्ता पर काबिज सरकारों और उनकी राजनैतिक पार्टियों का दायित्व बनता है कि वे जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करने के बाद अगले पांच सालों के लिए उसकी इजाजत मांगें। यह जनता पर निर्भर करता है कि वह सरकार के काम से सन्तुष्ट होती है या नहीं क्योंकि उसके सामने विकल्पों की कमी नहीं होती। लोकतन्त्र की बहुराजनैतिक प्रणाली में कभी भी विकल्पों की कमी नहीं रहती है, यह भी इस व्यवस्था की खूबसूरती होती है। इसके चलते ही हमने केन्द्र से लेकर विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनैतिक दलों की सरकारें देखी हैं। प्रत्येक राजनैतिक दल के अपने कुछ मूलभूत सिद्धान्त होते हैं जिनके तहत वे सत्ता में आने पर लोक कल्याणकारी कदम उठाने का दावा करते हैं। इसे हम इस तरह देख सकते हैं कि 2004 से 2014 तक केन्द्र में चली डा. मनमोहन सिंह की कांग्रेसनीत सरकार ने 2013 में कानून बनाया कि भारत में प्रत्येक व्यक्ति को दोनों वक्त भोजन करने का अधिकार दिया जायेगा। इसके लिए भोजन का अधिकार कानून बना परन्तु 2014 में केन्द्र में सरकार बदल गई। भोजन का अधिकार बेशक कानून बन गया मगर इसका उपयोग 2020 में देश में कोरोना संक्रमण काल के समय मोदी सरकार ने किया जब लगभग 80 करोड़ लोगों को प्रतिमाह पांच किलो मुफ्त राशन देने की व्यवस्था की गई। अब इस योजना को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने पांच साल और आगे जारी रखने का फैसला किया है। इसका मतलब यह हुआ कि लोक कल्याणकारी नीतियां बनाना हर सरकार का प्राथमिक दायित्व होता है। सरकार चूंकि एक सतत् प्रक्रिया होती है अतः हर सरकार के लिए लोक कल्याण के काम करना जरूरी शर्त होती है परन्तु इन नीतियों के चलते भी हर राजनैतिक दल की सरकार का विकास ढांचा अलग हो सकता है। विकास के लिए आर्थिक नीतियों की जरूरत होती है और हर सरकार की आर्थिक नीतियां अलग ही होती हैं। लोक कल्याण का रास्ता इन्हीं नीतियों के बीच से निकलता है। बाजार मूलक अर्थव्यवस्था में यह कार्य बहुत दुष्कर होता है क्योंकि यह व्यवस्था हर नागरिक को एक उपभोक्ता के रूप में देखती है। सवाल उठना लाजिमी है कि 80 करोड़ लोग पहले उपभोक्ता हैं या नागरिक। भारतीय संविधान के अनुसार ये उतने ही अधिकार सम्पन्न नागरिक हैं जितने कि अन्य सम्पन्न वर्गों के नागरिक क्योंकि इनके पास भी एक वोट का बराबर का संवैधानिक अधिकार है। मुफ्त भोजन पाना इनका कानूनी अधिकार है। इसी प्रकार अगर शिक्षा को लें तो पहली से आठवीं तक की शिक्षा पाना भी भारत में जन्मे हर बच्चे का मूल अधिकार है। लोकतन्त्र में नागरिकों को जो अधिकार एक बार दे दिया जाता है उसे वापस लेना कभी संभव नहीं होता क्योंकि वह नव विकसित समाज के ढांचे का अंग बन जाता है। इसी प्रकार स्वास्थ्य का भी मामला है। केन्द्र ने आयुष्मान स्कीम चलाई तो विभिन्न राज्य सरकारों ने भी अपनी–अपनी स्वास्थ्य बीमा स्कीमें नागरिकों के लिए शुरू की। लोकतन्त्र में इस प्रकार की लोक कल्याणकारी नीतियों के लिए प्रतियोगिता का होना स्वागत योग्य होता है क्योंकि इससे सर्वाधिक रूप से नागरिक ही लाभान्वित होते हैं। अतः लोकतन्त्र में जब लोक कल्याणकारी नीतियां विभिन्न राजनैतिक दलों के बीच प्रतियोगिता का माध्यम बन जाती हैं तो आम जनता का सशक्तीकरण भी तेज होने लगता है और इससे अन्ततः आर्थिक विषमता के कम होने के आसार ही बनते हैं परन्तु देश तभी मजबूत बनता है जब प्रत्येक नागरिक उत्पादनशीलता में भागीदारी करे। अतः लोकतन्त्र इस तरफ भी बराबर का जोर डालते हुए जन कल्याणकारी नीतियां बनाता है।

लगेगी आग तो आयेंगे घर कई जद में

पिछले साल राहुल गांधी ने लंदन में जब कहा कि भाजपा ने पूरे देश में नफरत का केरोसिन छिड़क दिया है, तो भाजपा के प्रवक्ता ने तत्काल 1984 के सिख विरोधी दंगों का हवाला देते हुए कांग्रेस को ही घासलेट डालने वाली पार्टी बताने की कोशिश की थी। लेकिन अब अपने ही एक नेता के नफरत भरे बयान की आंच में भाजपा खुद झुलसती नजर आ रही है। दरअसल राजस्थान के तिजारा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे बाबा बालकनाथ के समर्थन में आयोजित एक जनसभा में पार्टी के नेता संदीप दायमा– जो खुद पिछले चुनाव में इसी क्षेत्र से प्रत्याशी थे, ने कहा, कि श्कुछ लोग हमें धर्म और जाति के नाम पर बांटना चाहते हैं, हमें बहुत समझदार होने की जरूरत है। जिस तरह से मस्जिद और गुरुद्वारे बनाए गए और छोड़ दिए गए, वे आगे चलकर नासूर बन जाएंगे। इसलिए हमारा धर्म है कि नासूर को यहां से उखाड़ फेंकना चाहिए। अलवर के सांसद बाबा बालकनाथ अब इस काम को पूरा करेंगेश।

इस बयान पर हंगामा तो होना ही था। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने तो अपना रोष जताया ही, शिरोमणि अकाली दल ने भी भाजपा का विरोध किया। और तो और, भाजपा के पंजाब प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने संदीप के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर दी। हालांकि दायमा ने इस बीच अपने बयान पर माफी मांगते हुए एक वीडियो जारी किया और सफाई दी कि वे अपने भाषण में दरअसल मस्जिद–मदरसे का जिक्र करना चाहते थे, लेकिन उनके मुंह से मदरसे की जगह गुरुद्वारे निकल गया। उन्होंने कहा, श्मुझे नहीं पता कि मुझसे यह गलती कैसे हो गई। मैं उन सिखों का अपमान करने के बारे में सोच भी नहीं सकता, जो हमेशा हमारे सनातन धर्म की रक्षा करने के लिए जाने जाते हैं। दूसरी तरफ बाबा बालकनाथ ने पत्रकारों से कहा कि श्दायमा से पाप हो गया है, लेकिन उम्मीद है कि सिख समुदाय उसे माफ कर देगाश।

दायमा ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को भी माफी मांगते हुए चिठ्ठी लिखी लेकिन सिख समुदाय न तो दायमा के वीडियो से, न ही उनकी चिठ्ठी से संतुष्ट है। अलवर ही नहीं, राजस्थान के दूसरे शहरों और पंजाब में भी वह अपना आक्रोश जताने सड़कों पर उतर आया। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी ने दायमा के भाषण पर नाराजगी जाहिर करते हुए कैथल जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा। एक वीडियो में जिला प्रशासन (शायद कोटा) के अफसरों को सिख समुदाय के नेता चुनाव आयोग के नाम ज्ञापन देते और सवाल पूछते दिखाई दे रहे हैं कि कि श्देश में चुनाव आयोग नाम की कोई चीज है या नहीं? अगर है तो महसूस क्यों नहीं हो रहा? एक आदमी मंच से मस्जिदों–गुरुद्वारों को नासूर बता रहा है तो चुनाव आयोग क्या कर रहा हैश? सिख नेता आगे कहते हैं कि श्नासूर तो दरअसल भाजपा और दायमा जैसे फिरकापरस्त लोग हैं।हालांकि चुनाव आयोग ने दायमा को नोटिस जारी कर दिया है और भाजपा ने भी उन्हें निष्कासित कर दिया है। लेकिन सवाल ये है कि दायमा ने अगर गुरुद्वारे की जगह मदरसे ही कहा होता तो क्या आयोग और भाजपा उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करते? ध्यान रहे, नफरत की ये भाषा केवल सिखों, मुसलमानों या ईसाईयों के लिये नहीं बोली जा रही है, आम तौर पर भाजपा को समर्थन देने वाला जैन समाज भी इसकी चपेट में आ गया है। बाबा बालकनाथ एक हिन्दू पुजारी हैं और भाजपा के सांसद हैं, तो भाजपा के ही सांसद रहे महेश गिरी अब जूनागढ़ के पीठाधीश्वर और गुरु दत्तात्रेय ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। उन्होंने गिरनार तीर्थ में दिगंबर जैन संतों के आने पर उनके साथ हिंसा की बात कही, जिस पर जैन समाज ने अपना आक्रोश दिखाया तो महेश गिरी ने कहा कि उन्होंने नागा साधुओं के लिए वह बात कही थी, जैन संतों के लिए नहीं। दरअसल, गिरनार को भगवान नेमिनाथ की निर्वाण स्थली माना जाता है, लेकिन गिरी के मुताबिक वह भगवान दत्तात्रेय का स्थान है और जैनियों का वहां कोई अधिकार नहीं बनता। कहना न होगा कि सिख समुदाय की तरह जैन समाज भी उद्वेलित है। सिख समुदाय ने अगर इस बात पर ऐतराज किया है कि दायमा के भाषण पर योगी आदित्यनाथ ताली बजा रहे थे तो गिरी के बारे में जैन समाज पूछ रहा है कि ऐसे आदमी को सांसद क्यों बनाया गया था। उसका कहना है कि 2013 में भी महेश गिरी की शह पर मुनि प्रबल सागर महाराज पर कातिलाना हमला किया गया था, जिसके विरोध में देशव्यापी आंदोलन हुआ था। लेकिन गिरी पर कोई कार्रवाई करने के बजाय भाजपा ने उन्हें पूर्वी दिल्ली से लोकसभा का टिकट दे दिया। अब एक बार फिर जैन समाज पूरे देश में आंदोलन के रास्ते पर है। अभी उसने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजे हैं और कहा है कि महेश गिरी पर कार्रवाई नहीं हुई तो दिगंबर जैन मुनि और आर्यिकाएं दिवाली नहीं मनाएंगे, बल्कि उस दिन वे अन्न–जल भी ग्रहण नहीं करेंगे। यह दिवाली जैन समाज के लिए काली दिवाली होगी। दायमा का पार्टी से निष्कासन शायद एक तात्कालिक समाधान हो, लेकिन गिरनार मामले में सरकार क्या कोई कदम उठाएगी– खास तौर से तब जब उसके गृह मंत्री स्वयं जैन समाज से ताल्लुक रखते हैं और उसी गुजरात से आते हैं जहां यह बवाल खड़ा हुआ है और उसकी जड़ में भगवा बिरादरी का ही एक सदस्य है। इससे भी बड़ा सवाल ये है कि लगभग एक ही समय में घटे इन दो प्रसंगों से क्या भाजपा कोई सबक लेगी!एक बार फिर राहत इन्दौरी का शेर याद आता है –

लगेगी आग तो आयेंगे घर कई जद में यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है...

स्वाधीनता के संघर्ष, स्वाभिमान से उपजी भारत की एकता, अखंडता

संजीव ठाकुर

करीबन आठ सौ से हजार वर्षों की परतंत्रता के बाद अनेक जीवन का बलिदान देने और विभिन्न संघर्षों के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। इस संघर्ष से प्राप्त स्वतंत्रता को हमें देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता की शक्ति से चिरकाल तक स्थाई रूप से बनाए रखना है अब कभी स्वतंत्रता पर खतरा ना आए यह हमारे देश के दिग्दर्शकों को अपनी कर्मठ जिजीविषा से बनाए रखना होगा। स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद हमारी एकता, अखंडता एवं एकरूपता मजबूत हुई है, पर कतिपय राजनैतिक मंसूबों के कारण आज हम सांप्रदायिकता, क्षेत्रीयता, जातीयता और अलग–अलग भाषाओं के संघर्षों से गुजर रहे हैं। हम आज मंदिर ,मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च के विवाद को लेकर विवाद ग्रस्त हो जाते हैं । कभी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी,मराठी,तेलगु,और कभी असमी भाषा के असमंजस में फंस कर एक दूसरे का विरोध जताना शुरू कर देते हैं। मूलतः हमें राष्ट्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए सांप्रदायिकता के विद्वेष, ईर्ष्या, जलन और सीमा तथा भाषाई विवाद से परे हटकर देश में अखंडता, सांप्रदायिक सद्भावना का एक शुद्ध वातावरण समाज में तैयार करना होगा, जिसके फलस्वरूप हम विकास की मुख्यधारा में अपना व्यक्तिगत योगदान राष्ट्र के प्रति दे सके। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि श्भारत संपूर्ण विश्व में एक अकेला ऐसा राष्ट्र है जहां मंदिरों ,मस्जिदों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों का एक एकात्मक सह अस्तित्व कायम है। वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आतंकवाद शांति सद्भावना एवं किसी भी राष्ट्र की अखंडता एकता एकरूपता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। आतंकवादी कभी अमेरिका और कभी भारत के दिल्ली, मुंबई और अनेक प्रदेशों को अपना निशाना बनाकर आतंक फैलाने का प्रयास करते हैं और आतंकवाद ने कई राज्यों में अपार जनहानि तथा संपत्ति की क्षति पहुंचाई है।

इसके अतिरिक्त अलगाववादियों ने भी राष्ट्रीय एकता अखंडता को भंग करने का पुरजोर प्रयास किया है। राजनीतिक पार्टियों के मंसूबों तथा उनकी महत्वाकांक्षाओं के कारण भी अलग–अलग जातियों संप्रदाय तथा पूजा के पवित्र स्थानों को लेकर समाज को अलग करने का बीजारोपण भी किया है। राजनीतिक पार्टियों के चंद राजनेता वोट बैंक बनाने के लिए कभी अल्पसंख्यकों में अलगाव के बीच बोलने का प्रयास करते हैं। कभी आरक्षण के नाम पर पिछड़े वर्गों को देश की मुख्यधारा से बहकाने का प्रयास करते हैं, और कभी किसी विशेष जाति प्रांत या भाषा के हकदार बन कर देश की एकता, अखंडता को खंडित करने का पुरजोर प्रयास करते हैं। यह अत्यंत निंदनीय एवं चिंतनीय सामाजिक पहलू है, जिस संदर्भ में हमें गहन विचार करने की आवश्यकता भी है।

सामाजिक स्तर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एवं अन्य वर्ग सुचारू रूप से भाईचारे में अखंड विश्वास रखते हैं एवं सामान्य जीवन करने में विश्वास रखते हैं। पर राजनैतिक मंसूबों के कारण कुछ राजनेता इन सभी संप्रदायों को आपस में लड़वाकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास करते हैं। पर यह एक अत्यंत विचारणीय पहलू है कि राष्ट्रीय अखंडता एकता तथा सहयोग को बनाए रखने के लिए केवल राजनेता या प्रशासनिक अधिकारियों का कार्य न होकर हम सबका यह कर्तव्य भी है कि हमें एकजुट होकर राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को सदैव बनाए रखने का सतत प्रयास करना चाहिए। हम यदि ऐतिहासिक रूप से देखें की अनेक धर्मो जातियों और अनेक भाषाओं वाला भारत देश पूर्व में अनेक विसंगतियां के बावजूद सदैव एकता के सूत्र में बंधा रहा है। भारत देश में पूर्व में भी अनेक विदेशी जातियां आई और धीरे–धीरे भारत की मूल धारा में समाहित होती गई। भारत में आगमन के साथ इन्हीं जातियों की परंपराएं, विचारधाराएं, संस्कृति, संस्कार भारत की मुख्य धारा में एक रूप हो गई और भारत की सांप्रदायिक सौहार्द की भावना आज भी वैसी की वैसी ही है। भारत के जिम्मेदार नागरिक होने के कारण हमारी बड़ी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम इस देश की अखंडता एकता समरूपता और परंपरा को मजबूत बनाकर विश्व के सामने एक मिसाल के रूप में पेश करें। यह सार्वभौमिक सत्य है कि कोई देश यदि संगठित एक रूप और शक्तिमान होता है तो सारा विश्व उसकी इस ऊर्जा शक्ति को चिन्हित कर उसका सम्मान करता है। और उस पर आक्रमण या किसी भी तरह के प्रतिबंध लगाने से भयभीत रहता है। जब तक हम एकता के सूत्र में बंधे तब तक हम मजबूत एवं शक्तिशाली हैं और जब हम खंडित या विघटित हुए तब तब देश कमजोर हुआ है। अब हमें इन विघटनकारी ताकतों और विध्वंस कारी शक्तियों को नियंत्रण में लाकर इन्हें देश से बाहर भगाना होगा और इन पर प्रभावी नियंत्रण कर के देश की संप्रभुता एकता को बनाए रखना होगा। इसके लिए देश के संचार माध्यम, मीडिया, साहित्यकारों, कलाकारों को राष्ट्रीय एकता के लिए अपने को समर्पित भाव से सामने लाकर देश की सेवा करनी होगी।

मिलावटी मिठाइयां : कहीं रंग में भंग न कर दे

सुशील देव

त्योहार कोई भी हॉ मीठा न हो तो सब फीका रह जाता है। मगर इस मीठे की जगह जहर हो तो कल्पना कीजिएॅ क्या होगाध सब रंगदृभंग हो जाएगा। इस दीपावली में कहीं ऐसा न हो कि आप जिन्हें उपहार में मिठाई दे रहे हॉ उनमें कुछ जहर जैसा तो नहींध जरा सोचिएॅ आखिर हम उनका मुंह मीठा करा रहे हॉ या फीका। जी हॉ हम अपने शहर की मिठाइयों की ही बात कर रहे हैं। दिल्ली ही नहीॅ बल्कि देश भर से ऐसी मिठाइयों की शिकायतें मिलती रहती हैं। इसलिए यह कहने में कोई गुरेज नहीं कि त्यौहारों में नकली मिठाइयों की यहां भरमार है। हमें इनसे हमेशा सतर्कता बरतनी चाहिए। हम इन मिठाइयों से कैसे बचॅ इनकी शुद्धता कैसे सुनिश्चित होॅ इस पर सजगता दिखाने की जरूरत है। ध नकली खोवादृमावे की मिठाई की बात आपने खूब सुनी होगी। प्रशासन ने भी मिलावटी मिठाइयों की खूब धरदृपकड़ की है। कई मामले दर्ज हुए। कोर्ट में सुनवाई हुई। लगातार कुछ सजा भी हुई हॉ लेकिन ऐसी कोई सजा अब तक नजीर नहीं बन सकी जो मिलावटखोरों के दिलों में खौफ पैदा कर सके। खेदजनक है कि हम लोग ऐसे मिलावटों के प्रति बिल्कुल बेखबर हॉ उदासीन हैं। मूकदर्शक बनकर हम इनके शिकार बनते जा रहे हैं। सनद रहे कि नकली या मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने पर सख्त सजा का प्रावधान है। दोषी पाए जाने पर आरोपी को ६ माह से लेकर उम्रकैद तक की सजा दी जा सकती है। पीएफए अधिनियम की धारा ७६१६ के मुताबिक मिलावट करने पर अधिकतम ३ साल की सजा होती है। धारा ५७ के तहत तो १० लाख रुपये के जुर्माने का भी प्रावधान है। दिल्लीदृएनसीआर में रोजाना आने वाली हजारों टन खोवे और मेवे की खेप से सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि इसके लिए आखिरॅ दूध की उपलब्धता कैसे संभव हो पाती हैध होलीॅ दशहरॉ दीपावली और छठ के समय दिल्लीदृएनसीआर की गलीदृगली में दूध से तैयार मिठाइयां बिकती हैं। खरीददार इन्हें शौक से खरीद कर त्यौहार सेलिब्रेट करते हैं परंतु उन्हें नहीं पता होता कि सेलिब्रेशन के मीठेपन में कौन सा हानिकारक तत्व उनके जीवन को धीरेदृधीरे नष्ट कर रहा है। हार्टॅ शुगर या बीपी वाले मरीजों के लिए तो यह बहुत ही खतरनाक है। साधारण समझ की बात यह है कि इस समय दिल्ली की आबादी करीब ३ करोड़ हॉ जिसमें करीब एक करोड़ से अधिक आबादी परिवार के साथ अपने मकान में रहती है। हर परिवार को रोजाना एक से डेढ़ लीटर दूध की जरूरत होती है। चाय की दुकानॉ मिठाई की दुकानॉ शादीदृविवाह या अन्य समारोहों के लिए भी किसी न किसी रूप में दूध की जरूरत होती है। ध आखिरॉ इतना दूध कहां से आता हैध दूध की खपत तब और बढ़ जाती हॉ जब त्योहारों का सीजन आता है। जरा सोचिएॅ दूध की आपूद्दत इसके बावजूद कम नहीं होती। निश्चित रूप से दिल्ली एनसीआर में दूध का काला कारोबार चलता है। दिल्ली से सटे सीमावर्ती राज्यों के कुछ इलाकों से नकली खोवा और मावा बनने का कई बार भंडाफोड़ हो चुका है। कई लोग पकड़े जा चुके हॉ और अदालतों में इस गंभीर अपराध के लिए दोषियों को दंड भी मिला है लेकिन मिलावटखोरी से समाज को निजात मिलना आज भी चुनौती है। कई बार ऐसी फैक्ट्री या सरगना का पर्दाफाश भी हुआ हॉ मगर मिलावटी या नकली दूध के साम्राज्य पर कोई असर नहीं पड़ा। दूध समाज के हर वर्ग की जरूरत है लेकिन मिलावटखोर हमें कृत्रिम दूध पिलाकर तरहदृतरह की बीमारियों के घेरे में ला देता है।

आपरेशन कन्विक्शन के तहत थाना अलीगंज जनपद लखनऊ पुलिस एवं अभियोजन विभाग के संयुक्त प्रयासो से मा0 न्यायालय द्वारा नाबालिग का अपहरण करते हुए उसके साथ दुष्कर्म कर उसकी निर्मम हत्या करने वाले अपराधी को मृत्यु दण्ड से दण्डित किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर चलाये जा रहे आपरेशन कन्विक्शन के दृष्टिगत पुलिस आयुक्त व संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण व अपराधियों को माननीय न्यायालयों में अधिकाधिक सजा कराये जाने के दृष्टिगत माननीय न्यायालयों में सघन पैरवी के क्रम में श्रीमान पुलिस उपायुक्त (उत्तरी) के कुशल पर्यवेक्षण एवं अपर पुलिस उपायुक्त (उत्तरी) के दिशा–निर्देशन में एवं सहायक पुलिस आयुक्त, अलीगंज, कमिश्नरेट लखनऊ के निकट पर्यवेक्षण में नागेश उपाध्याय, प्रभारी निरीक्षक थाना अलीगंज के नेतृत्व में व थाना स्थानीय के पैरोकार का0 7441 मोहित कुमार सिंह के अथक प्रयास व प्रभावी पैरवी से माननीय न्यायालय पॉक्सो एक्ट तृतीय लखनऊ के निर्णायक फैसला से दिनांक 07.11.2023 को मु0अ0सं0 107ध16 धारा 363ध376एध302ध201 भादवि व 5 (ड़) ध 6 पाक्सो एक्ट व 3ध25 आर्म्स एक्ट से सम्बन्धित अभि0 केदारनाथ राठौर पुत्र लाल प्रसाद राठौर नि० धनसेन नगर थाना रेऊसा सीतापुर हालपता ई–3 576 सेक्टर जे थाना अलीगंज लखनऊ को दोषसिद्ध करते हुये मृत्यु दण्ड से दण्डित किया गया है।

नाम व पता अभियुक्त/सम्बन्धित अभियोग व सजा

1. केदारनाथ राठौर पुत्र लाल प्रसाद राठौर नि0 धनसेन नगर थाना रेउसा सीतापुर हालपता ई–3 576 सेक्टर जे थाना अलीगंज लखनऊ

फैसला–

मु0अ0सं0 107/16 धारा 363/376ए/302/201 भादवि व 5 (ड़) ध 6 पाक्सो एक्ट व 3ध25 आर्म्स एक्ट से सम्बन्धित अभि0 केदारनाथ राठौर पुत्र लाल प्रसाद राठौर नि0 धनसेन नगर थाना रेउसा सीतापुर हालपता ई–3576 सेक्टर जे थाना अलीगंज लखनऊ को दोषसिद्ध करते हुए धारा 363 भादवि मे सात वर्ष सश्रम कारावास व 10,000 रूपये अर्थदण्ड न अदा करने पर 03 माह का अतिरिक्त कठोर कारावास, धारा 201 भादवि मे सात वर्ष का सश्रम कारावास व 10,000 रूपये अर्थदण्ड न अदा करने पर 03 माह का अतिरिक्त कठोर कारावास धारा 302 भादवि मे मृत्यु दण्ड व 50,000 रूपये रूपये अर्थ दण्ड न अदा करने पर 06 माह का अतिरिक्त कारावास व धारा 376 (ए) भादवि के अन्तर्गत मृत्यु दण्ड से दण्डित किया गया तथा धारा 6 पाक्सो एक्ट में आजीवन कारावास व 50,000 रूपये अर्थदण्ड न अदा करने पर 06 माह का अतिरिक्त कठोर कारावास से दण्डित किया गया है। पैरवीकर्ता–

1. नागेश उपाध्याय प्रभारी निरीक्षक थाना अलीगंज जनपद लखनऊ
2. शशि पाठक सहायक जिला शाशकीय अधिवक्ता, पाक्सो एक्ट तृतीय जनपद लखनऊ
3. का0 मोहित कुमार सिंह थाना अलीगंज जनपद लखनऊ रहे।

माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं द्वारा किए जा रहे वैज्ञानिक आविष्कारों, नवचारों की राष्ट्र निर्माण में मुख्य भूमिका : डा. दिनेश कुमार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स इंटर कॉलेज,लखनऊ में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत, माध्यमिक शिक्षा स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी – 2023 का दिनांक 08/11/23 को आयोजन किया गया।इस प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्राओं को विज्ञान, गणित व प्रौद्योगिकी में अपनी स्वाभाविक जिज्ञासा, अन्वेषण नवाचार, प्रयोग रचनात्मकता और आविष्कारशीलता की ओर अग्रसर व प्रोत्साहित करना है। करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स इंटर कॉलेज,लखनऊ में आयोजित इस विज्ञान प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी, षष्ठ मंडल, लखनऊ डा. दिनेश कुमार ने मॉडल देखे और बच्चों से प्रस्तुतीकरण करवाया। कक्षा 6 से 12 तक की 112 छात्राओं ने अपने–अपने मॉडलों का प्रदर्शन किया।

विद्यालय के विज्ञान व गणित विषयों की अध्यापिकाओं शाहीन इमरान , सुबुही अरशद , सोनम शुक्ला, नजमा असलम, सदफ सिद्दीकी, पूजिता

त्रिपाठी, तबस्सुम फातिमा, मोनिका अग्निहोत्री तथा आयशा सिद्दीकी

प्रबंधक सैयद नावेद अहमद तथा प्रधानाचार्या उजमा सिद्दीकी के निर्देशन व मार्गदर्शन मे छात्राओं ने उत्कृष्ट विज्ञान मॉडल बनाये। छात्राओं ने सबजूनियर वर्ग में सूचना व संचार, जैव विविधता, जूनियर वर्ग मे संख्याओं का वर्ग करना, गुणन व भाग करना तथा , ह्यूमन हार्ट, सर्किल मशीन ,एसिड रेन ,चंद्रयान ,सूर्ययान, ऊष्मागतिकी के प्रथम नियम पर मॉडल , विंड–मील एवं सीनियर वर्ग मे ऑटोमेटिक स्ट्रीट लाइट वॉटर पुरीफिकेशन, वाटर इंडिकेटर, स्मार्ट सिटी, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सोलर–एनर्जी माडल, चन्द्रयान – 3 मिशन मॉडल, हाइड्रोपावर माडल, रेन वाटर डिटेक्शन माडल बनाये।

उपरोक्त सभी माडलों का अवलोकन मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डा. दिनेश कुमार जी ने किया डा. दिनेश कुमार ने गहनता से बच्चो से माडल बनाने का सिद्धान्त, उद्देश्य व उपयोग आदि पर प्रश्न पूछे एवं उन्हे और उन्नत करने के सुझाव व मार्गदर्शन दिये। जूनियर वर्ग मे प्रथम स्थान सर्किल मशीन जिसे रोशनी सैनी (X-D) व सुमैया खान मॉडल एसिड रेन (ग–क) को द्वितीय स्थान तथा जानवी रावत ह्यूमन हार्ट (ग– ब) तृतीय स्थान मिला है। सीनियर वर्ग मे प्रथम स्थान वाटर इंडिकेटर मॉडल तनीषा सोनकर (गप्प क) द्वितीय स्थान वोल्कानो इरिगेशन रिचा शर्मा(ग प्) तथा तृतीय स्थान तमविल शकील (XI E) के कोरोनावायरस मॉडल को प्राप्त हुआ।मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डा. दिनेश कुमार के सुझाव व मार्गदर्शन से छात्राएं लाभान्वित हुई।

जनपदवासी, अधिकारी/कर्मचारी सरकार की योजनाओं विषयक प्रदर्शनी का अवश्य करें अवलोकन: मनोकामना राय

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगो तक पहुचाने के लिये लगी प्रदर्शनी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रदेश सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार के हेतु सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा सब का साथ– सब का विकास–सबका विश्वास –सबका प्रयास विषयक तीन दिवसीय प्रदर्शनी कलेक्ट्रेट स्थिति कैंपस में बुधवार से लगाया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह व सदस्य विधान परिषद बृजेश कुमार सिंह द्वारा फीता काट कर किया। कार्यक्रम शुभारंभ करते हुए सदस्य विधानपरिषद ने बृजेश कुमार सिंह ने कहा कि विकास भवन परिसर में उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा की प्रदर्शनी लगायी गयी है जहा पर आम जनमानस, छात्रों को सरकार की याजनाओं के सम्बन्ध में बहुत ही अच्छे ढंग से दर्शाया गया है। प्रदर्शनी आम जनमानस के लिए बहुत ही उपयोगी है। योजनाओं के बारें में जानकारी प्राप्त कर लाभान्वित हो सकते है।

जिला सूचना अधिकारी ने मनोकामना राय ने अधिकारियोंध कर्मचारियों एवं आम जनमानस से प्रदर्शनी का अवलोकन अवश्य किए जाने की अपील की। उन्हाने कहा कि अधिक से अधिक संख्या में लोग आये और योजनाओं की जानकारी लें।

सभी के द्वारा सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं, मुफ्त वैक्सीनेशन, मिशन रोजगार के तहत युवाओं को नौकरी, एक्सप्रेस वे, एयरपोर्ट, मिशन रोजगार, मिशन शक्ति, ओडीओपी आदि के चित्रों का अवलोकन किया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारी एवं अन्य महत्वपूर्ण लोगों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर अपर जिला सूचना अधिकारी शशि सिंह द्वारा कम्पोजिट विद्यालय मियापुर के बच्चों को प्रदर्शनी का अवलोकन कराते हुए शासन की योजनाओं के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।इस अवसर पर सूचना विभाग के कर्मचारी अनवीश यादव, सुशील मौर्या, सुमित सिंह, पवन सोनकर, शशि यादव एवं प्रिंटध इलेक्ट्रोनिक मीडिया के पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

पाली में एक युवक की मौत परिजन बोले डेंगू ने ली जान

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

पाली (हरदोई)। इन दिनों एक विचित्र बुखार का प्रकोप बढ़ता जा रहा है से इससे कई मौतें लगातार हो चुकी हैं ताजा मामला पाली कस्बे का है। जहाँ पर मंगलवार को एक नवयुवक की बुखार से मौत हो गई। हालांकि परिजन डेंगू की वजह से मौत होने की बात कह रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पाली कस्बे मोहल्ला पटियानीम निवासी स्व0 अवधेश कुमार का 20 वर्षीय पुत्र प्रमित कुमार पिछले कई दिनों से बीमार था जिसक प्राथमिक इलाज पाली में हुआ जिसकी अचानक रात में तबियत बिगड़ गई परिवार वाले उसको लेकर लखनऊ चले गये जहाँ हालत नाजुक बताई गई और उसने वहीं दम तोड़ दिया ।परिवार वालों का रो–रो कर बुरा हाल है। आपको बता दें परिवार की आर्थिक स्थिति काफी लचर है परिवार में कमाने वाला कोई नही है लड़के के पिता कई वर्ष पूर्व स्वर्ग सिधार चुके हैं।

वन विभाग की टीम ने 4 तस्करों को दबोचा, 9 कछुआ बरामद

संवाददाता/बहराइच। जिले के कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के मुर्तिहा रेंज में अवैध शिकार में जुटे 4 तस्करों को वन विभाग की टीम ने पकड़ा है। इनके पास से 9 जीवित कछुआ व शिकार में प्रयोग होने वाले उपकरण बरामद किया हैं। पूछताछ के बाद मुकदमा दर्ज कर सभी को जेल भेज दिया गया है। कतर्नियाघाट वन्य जीव विभाग में मुर्तिहा रेंज के वन क्षेत्राधिकारी रत्नेश कुमार, वन दरोगा गणेश शंकर शुक्ला, वन दरोगा पवन कुमार शुक्ला और वनरक्षक शंकर प्रसाद की टीम पेट्रोलिंग कर रही थी।

जनजाति लोकनायक बिरसामुण्डा की जयन्ती पर 15 से 21 नवम्बर तक संगीत नाटक अकादमी व भागीदारी भवन लखनऊ में आदिवासी संस्कृति की झलक प्रस्तुत की जायेगी-राज्यमंत्री समाज कल्याण

देश के 14 राज्य जनजाति गौरव दिवस के आयोजन में करेंगे सहभागिता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।– प्रदेश के राज्यमंत्री समाज कल्याण श्री संजीव कुमार गोंड ने कहा है कि जनजाति समाज के लोकनायक बिरसा मुण्डा की 148वीं जयन्ती के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा विभिन्न संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में 15 से 21 नवम्बर को भव्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में लगभग 14 राज्यों के जनजाति समाज से जुड़ी संस्कृति, संस्कार, परम्पराओं, रीति–रिवाज, खानपान, भेष–भूषा, नृत्य एवं गीत, खेल–कूद तथा विभिन्न शिल्प कलाओं एवं वाद्ययंत्रों का प्रदर्शन संस्कृति नाटक अकादमी लखनऊ में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार द्वारा आदिवासियों के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को भी प्रदर्शित किया जायेगा। राज्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनजातियों के कल्याण के लिए कटिबद्ध है। इस कार्यक्रम में प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल, मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह के अलावा जनजाति कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की सहभागिता होगी। कार्यक्रम का शुभारम्भ 15 नवम्बर, 2023 को शाम 04 बजे से शुरू होगा। लोकनायक बिरसामुण्डा की जयन्ती को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाने के लिए भारत सरकार द्वारा पिछले साल घोषणा की गयी थी। उसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा इस समारोह का आयोजन भव्य तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रदेशों के जनजातीय समूहों के गौरवशाली इतिहास एवं समृद्ध विरासत की झलक मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस समारोह के माध्यम से आदिवासी समाज की विलुप्त होती आ रही लोक कलाओं को जीवंत बनाने का अनूठा प्रयास किया गया है।

प्रमुख सचिव पर्यटन संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य श्री मुकेश मेश्राम ने कहा कि लोकनायक बिरसामुण्डा आदिवासी समाज के भगवान के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया और अपने समाज को मुख्यधारा में जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया। बिरसामुण्डा आदिवासियों की आवाज बनकर उभरे। उनके संघर्ष एवं योगदान को जीवंत बनाने तथा पूरे देश के आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत को आज की युवा पीढ़ी को परिचित कराने के लिए 15 नवम्बर से 21 नवम्बर तक जनजाति गौरव दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विभिन्न विभाग शामिल हैं।

प्रमुख सचिव डा0 हरिओम ने कहा कि इस अवधि के दौरान जनजाति बाहुल्य जनपदों के जिलाधिकारियों के निर्देशन में आदिवासी समाज के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

देश के लगभग 20 राज्यों के आदिवासियों को आमंत्रित किया गया था जिसमें से 14 राज्यों ने इस समारोह में भाग लेने की सहमति दी है। उन्होंने कहा कि इस भव्य आयोजन के माध्यम से सांस्कृतिक आदान प्रदान होगा। साथ ही आदिवासियों के परिधान, शिल्प, नृत्य, गीत संगीत, वाद्ययंत्र आदि का प्रदर्शन किया जायेगा। यह कार्यक्रम आदिवासियों की विलुप्त होती जा रही संस्कृति को जीवित रखने के लिए आयोजित किया गया है। जनपद बलरामपुर के इमिलिया कोडर में नवनिर्मित थारू जनजाति संग्रहालय का निर्माण कराया गया है।

प्रमुख सचिव समाज कल्याण डा0 हरिओम ने इस अवसर पर कहा कि एक सप्ताह तक चलने वाले जनजाति गौरव दिवस के दौरान आदिवासी समाज से जुड़े विभिन्न आयामों का प्रदर्शन किया जायेगा। इस अवसर पर जनजाति कवि सम्मेलन, खेल–कूद का आयोजन के अलावा परिधान, व्यंजन का प्रदर्शन तथा जनजातीय जीवन की झलक प्रस्तुत की जायेगी। इस कार्यक्रम को संविधान दिवस 26 नवम्बर, 2023 तक ले जाने का प्रयास किया जायेगा। प्रदेश के कई संस्थान मिलकर इस आयोजन को सफल बनायेगे। इसमें जनजाति कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की भी भूमिका होगी। इस कार्यक्रम को पूरे प्रदेश में मनाया जायेगा। प्रदेश के 19 जनपदों में जनजाति समाज के लोग पाये जाते हैं। संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी की देखरेख में कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

इस अवसर पर लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी, संस्कृति विभाग व उ0प्र0 जनजाति विकास विभाग, पर्यटन विभाग के अधिकारी एवं अन्य महानुभाव उपस्थित थे।

10 नवम्बर को होगा मानव श्रंखला/जन जागरूकता रैली का आयोजन

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह ने बताया है कि मुख्य निर्वाचन आयोग द्वारा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में स्वीप योजना के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमध जागरूकता अभियान कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं। इसी क्रम में मतदाता जागरूकता हेतु जनपद स्तर पर 10 नवम्बर, 2023 को प्रातः 09.00 बजे से पुलिस लाईन परेड ग्राउण्ड से सी०एस०एन० पी०जी० कॉलेज तक मानव श्रंखलाध्जन जागरूकता रैली का आयोजन किया जायेगा, जिसमे जनपद के महाविद्यालयों के छात्रध्छात्राओं के साथ–साथ अन्य विभिन्न क्षेत्रों के लोगों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। इस कार्यक्रम में 10,000 से अधिक की भीड़ की सम्भावना है। रैली के समापन स्थल सी०एस०एन० पी०जी० कॉलेज में प्रतिभागी छात्रध्छात्राओंध कर्मचारियोंध्अधिकारियोंध्अध्यापकों द्वारा उत्तर प्रदेश के मानचित्र के अनुसार मानव श्रंखला बनायी जायेगी तथा उसके उपरान्त अधोहस्ताक्षरी द्वारा मतदाता शपथ दिलायी जायेगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु नोडल अधिकारी नामित किये गये है। महाविद्यालय के छात्रध्छात्राओं को समय से पुलिस लाईन परेड ग्राउण्ड मे उपस्थित कराने के लिए प्राचार्य महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय , प्राचार्य, सी०एस०एन० पी०जी० कालेज , प्राचार्य, आर्य कन्या महाविद्यालय व प्राचार्य आई0टी0आई0 हरदोई को इस कार्य हेतु नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इसी तरह सी0एस0एन0 पी0जी0 कालेज में रैली में प्रतिभाग करने वाले छात्रध छात्राओं की संख्या के दृष्टिगत चूने से उत्तर प्रदेश का मानचित्र बनाये जाने व समापन स्थल पर मंचध माईक आदि की व्यवस्था हेतु हेतु अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद हरदोई को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। रैली फ्लैक्स व बैनर आदि की व्यवस्था हेतु उप निदेशक कृषि व जिला विद्यालय निरीक्षक को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। उन्होंने इस कार्यक्रम मे नामित नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मानव श्रंखलाध जन जागरूकता रैली को सफल बनाये जाने हेतु दिये गये दायित्वों को कुशलता पूर्वक निर्वहन करना सुचिश्चित करें।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मार्शल आर्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम का हुआ आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। मिशन शक्ति के चतुर्थ चरण में कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में लखनऊ विश्वविद्यालय के मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम के तहत छात्रों को योग और मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया गया। मार्शल आर्ट प्रशिक्षण सत्र के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर विशेष रूप से जोर दिया गया। प्रशिक्षण सत्र का संचालन विशेष मार्शल आर्ट प्रशिक्षक प्रमोद तिवारी ने किया। छात्रों के साथ–साथ मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग के सभी शिक्षक प्रो शमा महमूद (विभागाध्यक्षा), प्रो रश्मि रेखा, प्रो एसए रिजवी, डॉ मनीषा तथा डॉ दीप्ति जयसवाल ने सक्रिय रूप में भाग लिया और आत्मरक्षा के लिए तकनीकें सीखीं।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर महिला से ठगी

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के कृष्णानगर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला को साइबर जालसाजों ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के बात कहकर हजारों रूपये का चूना लगा दिया। महिला ने अपने पति को पूरी बात बताई तो पति ने साइबर थाने सहित कृष्णानगर कोतवाली में जालसाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया हैं। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हैं। आलमबाग के बाबा की कुटिया आजाद नगर, में रहने वाले रितेश माने ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी पत्नी के मोबाइल नंबर पर शाम करीब साढ़े छह बजे एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ठग ने खुद का परिचय एसबीआई के प्रतिनिधि के रूप में बताते हुए क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने की बात कही और मोबाइल पर ओटीपी भेजा। बातों में उलझा कर ठग ने फोन में आई ओटीपी पूछ ली। पत्नी के बताते ही उसके खाते से 40170 और 21,115 रुपए का भुगतान किसी अन्य अकाउंट में कर लिया गया। मोबाइल पर मैसेज मिलने के बाद महिला के होश उड़ गए और पति को सूचना दी। जिसके बाद युवक ने आनन–फानन एसबीआई कस्टमर केयर को फोन कर कार्ड ब्लॉक करवाया। इंस्पेक्टर कृष्णा नगर विक्रम सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही हैं। साइबर जालसाजों ने एक व्यक्ति से गूगल मैप पर रेटिंग देने के नाम पर लाखों रूपये की ठगी कर ली। पीड़ित ने नाका थाने में जालसाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया हैं। गणेशगंज के तकिया निवासी बृजेन्द्र मालवीय ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके व्हट्सएप पर एक मैसेज आया जिसमें गूगल मैप पर रेटिंग देने पर आपको प्रति रेटिंग 210.00 रुपये मिलेंगे। इस मैसेज को देखने के बाद मैने वाटसप पर उनसे सम्पर्क किया तो उन्होंने एक लिंक भेजा जो टेलीग्राम का एक ग्रुप था इस पर उन्होंने मुझसे अलग–अलग होटल व रेस्टोरेंट के गूगल मैप के लिंक भेजे व पांच स्टार रेटिंग देने को बोला, सबसे पहले एक लिंक पर रेटिंग देते ही 210 रूपये प्राप्त हुए, दूसरी रेटिंग पर 90 रूपये मिले और तीसरी पर ठग ने उससे 1000 रूपये जमा करने को बोला और कहा 1620 रुपये मिलेंगे। इसके बाद करने पर उसे 1620 रुपये भी मिल गए। इसके बाद कई बार में रूपये जमा करवाए और उसे रूपये मिलेंगे। इसी तरह ठगों ने युवक को विश्वास में लेकर सात हजार रूपये जमा करने के बाद ठगों ने युवक से कहा कि आप से कुछ गलती हो गयी है, इस कारण अकाउंट फ्रीज कर दिया गया है, अब आपको एक टास्क दिया जाएगा, उसको करने के बाद आपके पैसे मिल जाएंगे। टास्क करने के लिए 31520 रूपए जमा करने को कहा जमा कर दिए इसके बाद दूसरा टास्क करने को बोला और इस तरह साइबर ठगों ने उससे कई बार में 25000,64760,197500, 50000,40000, 107500 जमा करवाते गए और हर बार यह कहते गए कि घबराने की कोई बात नही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय मे फाइनेंसियल डेरीवेटिव एंड रिस्क मैनेजमेंट कार्यक्रम का हुआ समापन

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के एमबीए फिअनांस एंड एकाउंटिंग ने 7 नवंबर तक "फाइनेंसियल डेरीवेटिव एंड रिस्क मैनेजमेंट" पर एक सप्ताह का फ.डी.प. कार्यक्रम आयोजित किया। फ.डी.प. का समापन समारोह आयोजित किया गया, कार्यकर्म के मुख्य अतिथि अर्जुन देव भारती डिप्टी सेक्रेटरी गृह विभाग उत्तर प्रदेश शासन रहे। कार्यक्रम की शुरुआत वाणिज्य विभाग के निदेशक एमबीए (फिअनांस एंड एकाउंटिंग) एवं कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अवधेश कुमार के भाषण से हुई। उन्होंने एफडीपी के विषय पर जोर दिया और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए।

पैरामेडिकल कॉलेज में स्क्लेरल लेंस कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

अलीगढ़। पैरामेडिकल कॉलेज, मेडिसिन संकाय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने नेत्र देखभाल चिकित्सकों और ऑप्टोमेट्री छात्रों के लिए एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। सिल्वर लाइन लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के श्री गगन साहनी और उनकी टीम द्वारा 'कठोर और सिलिअरी लेंस के साथ दृष्टि नुर्नस्थापना' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

डायल-112 की लड़कियों को पुलिस ने खींच-खींचकर वैन में डाला, खींचतान में कपड़े फटे, कई चोटिल

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में डायल–112 में काम करने वाली लड़कियों को पुलिस ने खींच–खींचकर वैन में डाला। प्रदर्शनकारी लड़कियां सड़क पर बैठ गईं, तो पुलिसकर्मी उनको उठाकर ले जाने लगे। इस दौरान कई लड़कियों के कपड़े फट गए। कई को हल्की चोट लगी। दरअसल, 112 हेडक्वॉर्टर में करीब 14–16 घंटे धरना–प्रदर्शन के बाद जब उनकी मांगों पर बात नहीं बनी, तो मंगलवार सुबह करीब 200 लड़कियां मुख्यमंत्री आवास की तरफ जाने लगीं। इस दौरान थोड़ी ही दूर पर पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक लिया। फिर प्रदर्शनकारी लड़कियां धरने पर बैठ गईं। इससे वहां ट्रैफिक जाम जैसे हालत हो गए। इसके बाद पुलिस ने लड़कियों को ईको गार्डन जाकर प्रदर्शन के लिए कहा।

श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय में अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता दिव्यांकुर 2023 का समापन समारोह आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय में आज अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता दिव्यांकुर 2023 का समापन समारोह मुख्य अतिथि, प्रोफेसर आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के कर कमलो द्वारा विजयी प्रतिभागियो को पुरस्कार प्रदान कर संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने छात्र–छात्राओं से कहा कि, सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद, एकेडमिक्स और कल्चरल एक्टिविटीज मे

छात्र–छात्राओं को प्रतिभाग करने के साथ ही अपनी प्लेसमेंट पावर को बढ़ाने पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने शिक्षकों से भी अपील की और कहा कि उन्हें अपने विषय अध्यापन से आगे आकर स्टूडेंट रिसोर्सिजिंग की दिशा में काम करना होगा। आज बच्चों को यह भी बताना जरूरी है कि सही ड्रेसिंग सेंस क्या है। इंटरव्यू में प्लेसमेंट में जाने से पहले किस तरह के ड्रेस और आउटफिट्स की जरूरत है, उसे छात्रों को अवगत कराना होगा। उन्होंने कहा की एजुकेशन को स्टैंडर्डाइज करने के बजाय इसे डायवर्सिफाइड करना बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि के के सी महाविद्यालय को अब ऑटोनोमस कॉलेज की तरफ कदम बढ़ाते हुए डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने पर विचार करना चाहिए। इस महाविद्यालय में वर्तमान मे वो सारे पोटेंशियल है जो एक विश्वविद्यालय बनने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का सोच है कि सभी महाविद्यालयो की अलग–अलग विशेषताएं हैं, उसी के अनुरूप उनके यहां खेलकूद और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जा सकती है। इसमें सभी विद्यालयों के छात्र–छात्राएं प्रतिभाग करें। जैसे किसी के यहां बैडमिंटन कोर्ट बहुत अच्छा है,उनके यहां बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं कराई जाए। स्पोर्ट्स ग्राउंड बहुत अच्छा है तो उनके यहां फुटबॉल या और इस तरह की कोई अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जाए। इस तरह से शिक्षा और शिक्षा के स्टेक होल्डर के बीच में संवाद में वृद्धि होगी। जिसका फायदा सीधे–सीधे छात्रों को होगा। उन्होंने इनक्यूबेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और प्लेसमेंट ओरिएंटेशन पर भी काम करने की प्रेरणा दी। दिव्यांकुर 2023 के समापन के अवसर पर उन्होंने छात्र–छात्राओं सहित महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने महाविद्यालय सांस्कृतिक समिति की संयोजिका प्रोफेसर पायल गुप्ता और प्राचार्य प्रोफेसर विनोद चंद्रा को ओवरऑल विनर ट्रॉफी प्रदान की।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता श्री वी.एन. मिश्र,अध्यक्ष, महाविद्यालय प्रबंध समिति ने की।

प्राचार्य, प्रोफेसर विनोद चंद्रा ने मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्पगुच्छ एवम स्मृति चिन्ह देकर किया। उन्होंने महाविद्यालय में आगामी सत्रों में ऐसे ही अनेक प्रतियोगिताएं करने का विचार व्यक्त किया जो कि छात्रों के व्यक्तित्व विकास में मदद करेंगी।

इस अवसर पर प्रो पायल गुप्ता, संयोजक, संस्कृतिक समिति, ने 2 दिनों तक चले युवा सांस्कृतिक महोत्सव दिव्यांकुर 2023 की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने बताया कि, दिव्यांकुर 2023 में 30 से अधिक महाविद्यालयो के लगभग 600 से अधिक छात्र छात्राओं ने ष्संस्कृति के रंग माटी के संगष थीम पर आधारित प्रतियोगिताओं मे प्रतिभाग कर महोत्सव मे अनेक रंग भरे।

समापन समारोह का संचालन प्रो. अल्का शर्मा ने किया।

उपप्राचार्य प्रो के के शुक्ला ने उद्घाटन सत्र के समापन पर सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयो के प्रतिभागी, अनेक शिक्षक एवम छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दिव्यांकुर 2023 प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों की सूची इस प्रकार है।

वाद विवाद प्रतियोगिता में इला मिश्रा, नेशनल कॉलेज और नेहा कुमारी, नवयुग कॉलेज प्रथम स्थान पर नैमिष पटेल लखनऊ यूनिवर्सिटी अथर्व पाटिल ब्ढै साक्षी दुबे कृष्णा देवी कॉलेज तथा तनीषा सिंह, केकेसी, तीसरे स्थान पर रहे।

स्वरचित काव्य प्रतियोगिता में जय सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रथम स्थान पर सैयद शाह ताबिश, जयनारायण कॉलेज दूसरे स्थान पर, तथा उरोज फातिमा आई टी कॉलेज तीसरे स्थान पर रहे।

एकल गायन क्लासिकल, प्रतियोगिता में केकेवी के अभय वर्मा, प्रथम स्थान पर, शुभम कुमार, जयनारायण कॉलेज, दूसरे स्थान पर और यशप्रिया, नवयुग कॉलेज, तीसरे स्थान पर रहे।

सुगम संगीत प्रतियोगिता में शिखर वर्मा, जय नारायण कॉलेज, प्रथम स्थान पर, यशप्रिया, नवयुग कॉलेज, दूसरे स्थान पर तथा हर्षिता मिश्रा, श्री गुरु नानक कॉलेज, तीसरे स्थान पर रहे।

एकल नृत्य प्रतियोगिता में चेतना तिवारी, आई टी कॉलेज, प्रथम स्थान पर, ऋषि छेत्री, जयनारायण कॉलेज, दूसरे स्थान पर तथा राखी शुक्ला, श्री गुरु नानक कॉलेज तीसरे स्थान पर रहीं।

क्विज प्रतियोगिता में प्रबल मिश्रा और शुभम यादव, जयनारायण कॉलेज, प्रथम स्थान पर, भूपेंद्र शर्मा, शशिकांत गुप्ता बप्पा श्री नारायण कॉलेज, दूसरे स्थान पर और अताउरहमान व हिमांशु, डीएवी कॉलेज तीसरे स्थान पर रहे।

कहानी लेखन प्रतियोगिता में स्वाति तिवारी, जयनारायण कॉलेज, प्रथम स्थान पर, प्राची शर्मा, अवध कॉलेज, दूसरे स्थान पर तथा संध्या शर्मा, करामत कॉलेज, तीसरे स्थान पर रहे।

नुक्कड़ नाटक में आस्था मिश्रा एवं टीम,श्री गुरु नानक कॉलेज, प्रथम स्थान पर, जयनारायण कॉलेज की टीम संस्कार, दूसरे स्थान पर तथा बुशरा खान एवं टीम, आई टी कॉलेज, तीसरे स्थान पर रहे।

माइम एवं मोनो एक्टिंग में नीरज एवं टीम, जयनारायण कॉलेज, प्रथम स्थान पर, नैना एवं टीम, जयनारायण कॉलेज दूसरे स्थान पर तथा श्री गुरु नानक कॉलेज की टीम तीसरे स्थान पर रही।

बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट में गुरु सिमरन कौर और शिखा मोरिया आई टी कॉलेज प्रथम स्थान पर, मनीष गुप्ता और उम्मे कुलसुम दूसरे स्थान पर तथा रितिका चौरसिया और अक्षत चौरसिया, जयनारायण कॉलेज, तीसरे स्थान पर रहे।

भारतीय परिधान उत्सव में जयनारायण कॉलेज के निहारिका मिश्रा एवं टीम प्रथम स्थान पर, वैष्णवी श्रीवास्तव एवं टीम, दूसरे स्थान पर और लखनऊ विश्वविद्यालय के निशांत पटेल और उनकी टीम तीसरे स्थान पर रही।

पेंटिंग प्रतियोगिता में शिया पी जी कॉलेज के अभिषेक शर्मा प्रथम स्थान पर, अंजलि रावत, कृष्णा देवी कॉलेज, दूसरे स्थान पर और हर्षिका पांडेय, जयनारायण कॉलेज, तीसरे स्थान पर रहे।

मुख्यमन्त्री सामूहिक विवाह योजना गरीबों एवं जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित हो रही : सतीश चंद (खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री)

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सल्तनत बहादुर इंटर कालेज, बदलापुर में आयोजित तीन दिवसीय बदलापुर महोत्सव का शानदार ढंग से शुभारम्भ किया गया। महोत्सव के पहले दिन मुख्यमन्त्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सैकड़ो जोड़ों का विवाह कराया गया और प्रमाण–पत्र वितरित किया गया।

महोत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर आमजन को विभागीय योजनाओं के सम्बन्ध में जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीशचन्द शर्मा ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमन्त्री सामूहिक विवाह योजना गरीबों एवं जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि कन्यादान महादान है विधायक बदलापुर ने आयोजन कर सराहनीय कार्य किया है। अयोध्या के महंथ राजकुमार दास, अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक श्री बापू चिन्मयानंद, हनुमान गढ़ी अयोध्या के महंथ श्री राजूदास, अभय चौतन्य फलाहारी मौनी महाराज अमेठी आदि ने नवविवाहित वर वधुओं को आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा, पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, उपजिलाधिकारी बदलापुर अर्चना ओझा ने नव विवाहित जोड़ो को आर्शीवाद दिया। इस अवसर पर बिहार के पूर्व डीजीपी श्री आचार्य गुप्तेश्वर जी महराज, क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह, पूर्व विधायक श्रीमती सुषमा पटेल, ज्ञान प्रकाश सिंह, विधायक शाहगंज रमेश सिंह, विधायक लम्भुआ सीताराम वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह, योगेश पाण्डेय, अमित मिश्रा उपस्थित रहे। संचालक जिला महामंत्री भाजपा सुनील तिवारी ने किया।

दीपावली पर्व पर स्वदेशी निर्मित वस्तुओं का करे प्रयोग,विदेशी निर्मित का करे वहिष्कार

दीपावली पर्व पर कम से कम आतिशबाजी का करे प्रयोग

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। योगी सरकार कैबिनेट व सरकारी तंत्र के दावो के मुताबिक इस बार रामनगरी में दीपोत्सव पर्व गत वर्ष की अपेक्षा और अधिक भव्य मनेगा।वही विभिन्न वर्ग से जुड़े राजनैतिक दलों से जुड़े नेता, अधिकारी, शिक्षक, महिला, चिकित्सक ने लोगों से अपील किया है कि इस बार दीपावली स्वदेशी निर्मित मिट्टी से बने दीपक,दिये, खिलौने से मनाये।जिससे इनके घरों में दीपावली पर्व पर दीपक जल सके।राष्ट्रपति पदक से सम्मानित आईपीएस अधिकारी डॉ राजीव नारायण मिश्र ने देश वासियों से अपील किया कि सभी लोग दीपोत्सव पर्व को हर्षोल्लास पूर्वक ढंग से मनाए।लेकिन विदेशों से निर्मित झालरों, आतिशबाजी का विरोध करके।इसकी जगह गरीब तबके के लोगों व लघु व कुटीर उद्योगों मे निर्मित मिट्टी से निर्मित दीपक दिए के अलावा प्रदूषण मुक्त आतिशबाजी का प्रयोग करें।क्योंकि इनके घरो की दीपावली रोशन हो सकेगी।उन्होंने देश के लोगों से अपील किया कि सभी देश के लोग ग्रीन आतिशबाजी का प्रयोग करें क्योंकि देश के अधिकतर कोने में अधिक मात्रा में प्रदूषण व्याप्त है।बछड़ा सुल्तानपुर निवासी मीनाक्षी त्रिपाठी का मनाना है कि दीपावली में हमेशा हम सभी को अपने देश में निर्मित लघु व कुटीर उद्योग में खिलौने,दीपक, मोमबत्ती,कम ग्रीन आतिशबाजी का प्रयोग करें। चीन व अन्य विदेशों में निर्मित वस्तुओं का वहिष्कार करना चाहिए।भाजपा नेता अमल गुप्ता ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशानुरूप हम सभी को स्वदेशी निर्मित दीपक व दिए का प्रयोग कर इस दीपोत्सव व दीपावली पर्व को उल्लास पूर्वक मनाना चाहिए।कम प्रदूषण वाले आतिशबाजी का प्रयोग करें।चीन व विदेशों से निर्मित कोई भी आतिशबाजी वह पटाखों, झालरों आतिशबाजी आज का प्रयोग कतई ना करें। इसकी जगह स्वदेशी निर्मित मिट्टी से निर्मित दीपक आदि का प्रयोग करें।अश्विनीपुरम वार्ड पार्षद जगत नारायण यादव व कोटेदार राम बहादुर यादव का मानना है कि हमे कुम्हारों के यहां से निर्मित दीपक व खिलौने इस पर्व पर खरीदना चाहिए।

जब दीपावली में लोग उनके घरों से खिलौने दीपक आदि खरीदेंगे तब उन गरीबों के घरो में भी दीपावली रोशन हो सकेगी।देवकाली निवासी पिंकी यादव का मानना है हमेशा की भांति इस वर्ष भी वह दीपावली पर्व पर मिट्टी से निर्मित बने दीपक व खिलौनों से कुम्हारों के यहां से मनायेंगी तथा आतिशबाजी का बहिष्कार करेगी।जिला पुरुष चिकित्सालय के सीएमएस डॉ बृज कुमार का मानना है कि आप सभी ऐसे आतिशबाजी का प्रयोग ना करें जिससे आसपास का माहौल प्रदूषण युक्त हो। बच्चों को इनसे दूरी बनाए रखें।अश्विनीपुरम कॉलोनी निवासी रेनू तिवारी बताया बताया कि इस बार भी हम मिट्टी से निर्मित दीपक का प्रयोग करेंगे और आतिशबाजी का बहिष्कार करेंगे।

व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार मन्नू लाल का निधन : क्षेत्र में शोक की लहर

आजमगढ़। ब्यूरो/जनपद के जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार एव समाजसेवी मन्नू लाल जायसवाल 78 वर्षीय का आज सुबह 4 बजे के करीब लंबी बीमारी के कारण निधन हो गया उनके निधन की सूचना सुनते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई । इस क्षेत्र की जनता ने एक सच्चे समाज सेवी जो कि सभी के साथ कंधो से कंधा मिलाकर चलने वाले सच्चा सिपाही थे, को खो दिया ऐसे लोग अब इस दुनिया में नहीं रहे। गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पहुंचकर ईश्वर से प्रार्थना तथा शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की गई, इनका अंतिम संस्कार आज दोहरीघाट मुक्तिधाम पर किया गया।

रामचरित मानस पर एचसी ने स्वामी प्रसाद मौर्य को समझाया

संवाददाता

लखनऊ। हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने स्वामी प्रसाद मौर्य की दाखिल की गई है फिर खारिज करने की आज का को ना मंजूर करते हुए उन्हें सीख भी दी है।

पूर्व मंत्री को सीख देते हुए हाईकोर्ट ने ढोल गवार शुद्ध पशु नारी, सकल ताड़ना के अधिकारी का अर्थ भी समझाया है। हाई कोर्ट ने स्वामी प्रसाद मौर्य को तत्वों के साथ ही टिप्पणी करने की नसीहत भी दी है।

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने स्वामी प्रसाद मौर्य की याचिका को खारिज करने वाले अपने निर्णय में टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी भी ग्रंथ या अभिलेख में दिए गए कथन सही परिपेक्ष्य में ही पढ़े और रखे जाने चाहिए। हाई कोर्ट एकल पीठ के न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने अभी कहा याची द्वारा की गई चौपाई ष्ढोल गवार शुद्ध पशु नारी, सकल ताड़ना के अधिकारी वास्तव में समुद्र ने श्री रामचंद्र से इस आशय के साथ कहीं की वह स्वयं एक जड़ बुद्धि है और वह इस कारण से भूल की क्षमा मांग रहा है।

स्वयं को जड़ बुद्धि मानने वाले एक पात्र द्वारा कहा गया कथन जब समस्त संगत तत्वों के संदर्भ के बिना प्रस्तुत किया जाता है। तो यह सत्य का सही विरूपण नहीं हो सकता है।

कैम्पस प्लेसमेन्ट ड्राइव में कुल 32 छात्रों का चयन हुआ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 'आर0 आर0 ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, बख्शी का तालाब, लखनऊ' में 'जुबिलिएंट फूडवर्क्स' द्वारा कैम्पस प्लेसमेन्ट ड्राइव का आयोजन किया गया। जुबिलिएंट फूडवर्क्स की तरफ से आये हुए अमरदीप यादव, डीजीएम एचआर और मनोज कुमार, सीनियर एक्सक्यूटिव एचआर ने छात्रों को संबोधित किया। इस कैम्पस प्लेसमेन्ट ड्राइव में कुल 32 छात्रों का चयन हुआ।

इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन, संयुक्त सचिव, निदेशक, डीन एकैडमिक, डीन प्लेसमेन्ट तथा प्लेसमेन्ट हेड ने छात्र /छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विकास सिंह
मीडिया प्रभारी
आर०आर०जी०आई० लखनऊ ने उक्त जानकारी दी।

संविधान दिवस पर जन्तर मन्तर पर होगा धरना एवं प्रदर्शन

संवाददाता

लखनऊ। 74वें संविधान दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय परिषद एवं राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26.11.2023 को संविधान के सम्मान में लोकतन्त्र बचाने तथा देशवासियों के संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के लिए राष्ट्र स्तरीय विशाल धरना एवं प्रदर्शन का आयोजन संसद भवन के समीप जन्तर मन्तर पर किया जायेगा। इस एक दिवसीय धरना–प्रदर्शन में देश भर से लगभग 30 राज्यों के अम्बेडकर व बुद्ध के अनुयायी एवं संविधान, लोकतंत्र और मानवाधिकारों के समर्थक भाग लेंगे। यह विचार सामाजिक न्याय परिषद के राष्ट्रीय संयोजक साहब सिंह धनगर भैया जी ने सामाजिक न्याय परिषद के केन्द्रीय कार्यालय स्थित एम०के० अपार्टमेन्ट, ए०पी० सेन रोड, चारबाग, लखनऊ में व्यक्त करते हुए बताया कि केन्द्र सरकार भारत के संविधान में तमाम संशोधन कर पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक वर्गों के आरक्षण एवं देशवासियों के मूल अधिकारों पर कुठाराघात करने का षडयंत्र रच रही है। इसके अलावा यह भी कहा कि दिनांक 28 मई 2023 को नये संसद भवन के उद्घाटन के समय संविधान के विपरीत लोकतंत्र के मन्दिर में राजतंत्र की पुरानी परम्परा की प्रतीक सिंगोल की स्थापना से देशवासी विचलित हुए हैं और देश भर में भारी आक्रोश व्याप्त है। लोकतंत्र के मन्दिर संसद भवन एवं संविधान में पूरे देशवासियों की आस्था है, जिसमें हमारे सभी संविधान प्रदत्त अधिकारों की गारन्टी दी गयी है। इसलिए सिंगोल को संसद भवन से हटाया जाना अति आवश्यक है। इसके अलावा गरीब – अमीर के लिए दोहरी शिक्षा पद्धति को हटाकर एक समान शिक्षा नीति लागू की जाय तथा शिक्षा का राष्ट्रीयकरण किया जाय। जातिगत जनगणना कराकर जनसंख्या के अनुपात में सभी को सभी क्षेत्रों में हिस्सेदारी दी जाय। दलितों, पिछड़ों एवं आदिवासियों का आरक्षण कोटा पूरा किया जाय। विधायिका में पिछड़ों एवं महिलाओं को जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी दी जाय। न्यायपालिका में भी जनसंख्यानुपातिक हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाय। वेश के संसाधनों एवं सरकारी उपक्रमों का निजीकरण करना तत्काल बन्द किया जाय किसानों के उत्थान हेतु स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को अक्षरशः लागू किया जाय। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम०एस०पी०) की गारन्टी दी जाय। अनुच्छेद 29 व 30 के अन्तर्गत पृथक बुद्धिस्ट पर्सनल लॉ बोर्ड का गठन किया जाय, ई०वी०एम० पर प्रतिबंध की बात करते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी को छोड़कर सभी दलों का ई०वी०एम० से भरोसा उठ गया है ।

विज्ञान फाउंडेशन ने आयोजित किया सरकारी विभागों के साथ इंटरफेस मीटिंग

संवाददाता

लखनऊ। विज्ञान फाउंडेशन संस्था 35 सालो से वंचित समुदाय, महिलाओ बच्चो व मजदूरों ले अधिकारों की पैरवी के लिए नेटवर्क और गटबंधन मे विश्वास करते है और उन्हें बढ़ावा देते है। लखनऊ मे 12 गरीब बस्तियों की 750 किशोरियो एवंउनके परिवारों के साथ प्रत्यक्ष रूप से क्षमतावर्धन का काम कर रही है आज विज्ञान फाउंडेशन व अजीम प्रेमजी फिलैंथरोपिक इनिशिएटिव के संयुक्त तत्वाधान में कार्यरत गिविंग विंग्स टू ड्रीमर्स परियोजना के तहतइंटरफेस मीटिंग का आयोजन आयोजन किया गया। कार्यक्रम इंदिरा नगर स्थित बेबियन इन होटल में आयोजित किया गया जिसमे क्षेत्र के विभिन्न सरकारी विभागों ने प्रतिभाग किया जिसमे समाज कल्याण विभाग से कपिल पाण्डेय ,युवा कल्याण से गरिमा एवं राहुल सेवायोजन कार्यालय से हिमांशु मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल हुए। कार्यक्रम में चयनित क्षेत्र पारा,जानकीपुरम एवं माडियाव क्षेत्र के किशोरियों एवं उनकी माताओं नेप्रतिभाग किया। इस मीटिंग का उद्देश्य सरकारी विभागों से एवं उनसे जुड़ी योजनाओ के बारे में उनको अवगत कराना था। समाज कल्याण सेकपिल पाण्डेय ने वृद्धा पेंशन योजना, स्कालरशिप योजना एवं पारिवारिक लाभ सम्बन्धी योजनाओ के बारे में जानकारी दी, युवा कल्याण से राहुल ने बताया की राज्य स्तर से में होने वाले खेल आयोजन एवं कैसे युवाओ को राज्य प्रतियोगिताओ में जोड़ा सकते है सेवायोजन कार्यालय से हिमांशु ने रोजगार से जुड़ी जानकारी दी एवं प्रदेश में होने वाले रोजगार मेलो के बारे में भी बतायाप्संस्था से अनन्या, शिवानी, विपिन एवं धर्मेन्द्र भी शामिल रहे।

अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनो को दिव्यांग पेंशन योजना से जुड़ेंगे

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनो को दिव्यांग पेंशन योजना से जोड़ने का कार्य किया जाय। दिव्यांगजनो की प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाय। दिव्यांगजनो की समस्याओं का निराकरण गुणवत्ता एवं प्राथमिकता पर किया जाय। पिछड़े वर्ग के लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया जाय। अधिक से अधिक कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाए। योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगो को देने का कार्य किया जाय। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता न बरती जाय। पिछड़े वर्ग के युवाओं के कंप्यूटर प्रशिक्षण में शत प्रतिशत बायोमैट्रिक उपस्थिति ली जाय। साथ ही संचालित समेकित विद्यालयो के माध्यम से दिव्यांगजनों को शिक्षित करने का कार्य किया जाय। इसके अलावा निर्माणाधीन समेकित विद्यालयो का निर्माण गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध रूप से पूरा किया जाय। उन्होंने डॉ. शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ तथा जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक दिव्यांगजनों को निशुल्क उच्च शिक्षा प्रदान की जाय। बैठक में प्रमुख सचिव दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण सुभाष चन्द्र शर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपी के 5 मेडिकल संस्थानों में लागू होगी ई–ऑफिस प्रणाली

संवाददाता

लखनऊ। यूपी के 5 चिकित्सा संस्थानों में ई–ऑफिस प्रणाली लागू होगी। इसका मकसद कार्यालय के सभी पत्र, पत्रावली, फाइल का डिजिटलाइजेशन करना है। फाइल और पत्रावलियों को तलाशना आसान होगा। कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी। फाइलों के गायब होने की आशंका कम होगी। कम समय में फाइलें खोजी जा सकेंगी। अभी सचिवालय में ई–ऑफिस प्रणाली लागू है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पांच अस्पतालों में ई–हॉस्पिटल प्रणाली लागू करने के लिए धनराशि अवमुक्त करने के निर्देश जारी कर दिए है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0–7007415808,9628325542,9415034002
RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।